MT MUMBAI TARANG

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

आज का सुविचार

कमज़ोर तब रुकते है
जब वो थक जाते है,
और..विजेता तब रुकते है
जब वो जीत जाते है ।

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल   उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-07 ❖ मुंबई ❖ रविवार 06 से 12 फरवरी 2022 ❖ पृष्ठ-8   ₹4/-

पेज 3

हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे नाम से खुलेंगे हेल्थ सेंटर, मुंबईकरों को अब घर के पास मिलेगा

पेज 5

HC ने लगायी गुजरात सरकार की फटकार, कहा- मुआवजा दे कोई उपकार नहीं कर रहे हैं

पेज 7

फिल्म राज के 20 साल हुए पूरे बिपाशा को याद आए पुराने दिन

पेज 8

अक्षय कुमार की फिल्म 'पृथ्वीराज' की स्क्रीनिंग पर रोक लगाने की मांग, जनहित याचिका दायर

यूपी में शिवसेना ने मोदी सरकार के खिलाफ ठोकी ताल

संजय राउत ने कहा कि खड़े करेंगे 100 उम्मीदवार

ओवैसी पर हमले को बताया नाटक

शिवसेना ने महाराष्ट्र के बाहर केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत कर दी है. लखनऊ में किसान रक्षा पार्टी के साथ आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवसेना सांसद संजय राउत ने यह साफ किया कि शिवसेना आगामी लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र से बाहर 100 उम्मीदवार खड़े करेगी. इनमें से 50 से अधिक उम्मीदवार उत्तर प्रदेश से खड़े किए जाएंगे. उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार को चुनौती देने की शुरुआत हो चुकी है. शिवसेना ने हाल ही में दादरा और नागर हवेली के लोकसभा उपचुनाव की सीट पर जीत हासिल की है. यह सीट बीजेपी का गढ़ मानी जाती थी. उन्होंने उत्तर प्रदेश में कल हुए एआईएमआईएम असदुद्दीन ओवैसी पर हमले को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी.

इस मुद्दे पर संजय राउत ने हमारे सहयोगी एक खास इंटरव्यू भी दिया. उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव और ओवैसी पर हुए हमले पर कहा कि, 'कहा जाता है कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून का राज है. लेकिन एआईएमआईएम के नेता यहां आते हैं और उन पर पांच राउंड गोलियां चल जाती हैं.सारी गोलियां टायरों पर लगती हैं. उन्हें एक भी गोली नहीं लगती. इस खेल को समझने की जरूरत है. यह मतों का ध्रुवीकरण करने की कोशिश है. अब बीजेपी पर कोई ध्यान नहीं दे रहा. मुस्लिम उम्मीदवार उनकी बातों पर आने वाले नहीं है. यह फायरिंग उनके लिए एक संदेश है.' यूपी चुनाव तो झांकी है, लोकसभा अभी बाकी है

संजय राउत ने कहा कि यूपी का चुनाव इसलिए अहम है क्योंकि इसी चुनाव से 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की दशा और दिशा तय होगी. संजय राउत ने कहा, 'उत्तर प्रदेश में हम कम जगहों पर लड़ रहे हैं. हम कोई 200 सीटों पर नहीं लड़ रहे. हम सिर्फ 50-55 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं. हमारा किसी बड़ी पार्टी से गठबंधन भी नहीं हुआ. हम किसान रक्षा पार्टी के साथ मिल कर चुनाव लड़ रहे हैं. पार्टी का विस्तार करने के लिए यह कार्यक्रम है.' संजय राउत ने बताया कि शिवसेना पांचवें चरण के लिए पश्चिम उत्तर प्रदेश की कुछ सीटें, लखनऊ के आस-पास, अयोध्या, फैजाबाद, बांका में उम्मीदवार खड़े कर रही है. इसके बाद छठे और सातवें चरण में इलाहाबाद, वाराणसी में उम्मीदवार खड़े किए जाएंगे.

उत्तर प्रदेश का चुनाव, राउत ने लगाया सपा की जीत पे दांव

संजय राउत ने कहा कि शिवसेना उत्तरप्रदेश का यह चुनाव एक तरह से लोकसभा चुनाव से पहले की टेस्टिंग के तौर पर देख रही है. लोकसभा में उत्तर प्रदेश में शिवसेना ठोक बजा कर सामने आएगी. संजय राउत ने यह भी दावा किया कि उत्तर प्रदेश का चुनाव अखिलेश यादव जीत रहे हैं.

अनिल देशमुख की मुश्किलें बढ़ीं

मनी लॉन्ड्रिंग केस में दोनों बेटों को कोर्ट का समन

मुंबई: राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के दोनों बेटों को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में स्पेशल पीएमएलए कोर्ट ने समन जारी किया है। कोर्ट ने देशमुख, उनके दोनों बेटों ऋषिकेश और साहिल के अलावा मामले में अन्य लोगों को 5 अप्रैल को अपने समक्ष पेश होने का आदेश जारी किया है। स्पेशल पीएमएलए कोर्ट के जज आर.एन. रोकडे ने पिछली सुनवाई के दौरान देशमुख और उनके बेटों के साथ-साथ मामले से जुड़े अन्य आरोपियों के खिलाफ ईडी की ओर से दायर चार्जशीट का संज्ञान लिया था। इस दौरान कोर्ट ने सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमे की प्रक्रिया की शुरू की थी। उसे आगे बढ़ाते हुए शुक्रवार को कोर्ट ने मामले के आरोपियों को अपने समक्ष 5 अप्रैल को पेश होने का निर्देश दिया। ईडी के अनुसार, देशमुख ने राज्य के गृह मंत्री के रूप में अपने अधिकारिक पद का दुरुपयोग किया और बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वझे के जरिए मुंबई के विभिन्न बार और रेस्तरां से करोड़ों रुपये लिए हैं। जांच एजेंसी का यह भी दावा है कि नागपुर स्थित श्री साई एजुकेशन ट्रस्ट के माध्यम से पैसे की हेराफेरी की गई और यह ट्रस्ट देशमुख के परिवार द्वारा संचालित किया जाता है।

महाराष्ट्र में पुलिस अफसरों के ट्रांसफर का खेल

राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के ओएसडी रवि व्हटकर ने ईडी को दिए बयान में कहा है कि ट्रांसफर और

पोस्टिंग के लिए पुलिस इंस्पेक्टरों के नाम को अंतिम रूप देने के सिलसिले में अनिल देशमुख, पर्यावरण मंत्री अनिल परब और संबंधित पुलिस आयुक्त निजी और गोपनीय मीटिंग करते थे। इन मींटिंग्स का कोई रेकॉर्ड नहीं रखा जाता था। मनी लॉन्ड्रिंग केस में अनिल देशमुख के खिलाफ दायर चार्जशीट में ईडी ने कई लोगों को गवाह बनाया है। इनमें रवि व्हटकर भी हैं। व्हटकर ने ईडी को बताया है कि पुलिस इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारियों के ट्रांसफर की सूची तैयार करना उनके काम में शामिल था। उनका दावा है कि अनिल परब खुद धनेश्वरी, सह्याद्री या मंत्रालय में देशमुख से मिलते थे और अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग के संबंध में शिवसेना की सिफारिशों की सूची के बारे में उनसे बात करते थे।

ट्रांसफर के लिए मिलती थीं कई सिफारिशें

जब ईडी ने महाराष्ट्र में पुलिस अधिकारियों की ट्रांसफर लिस्ट तैयार करने में उनकी भूमिका के बारे में व्हटकर से पूछताछ की, तो उन्होंने कहा, 'पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को पुलिस अफसरों के ट्रांसफर के लिए महाराष्ट्र के मंत्रियों, विधायकों, एमएलसी और पार्टी प्रतिनिधियों से कई सिफारिशें मिलती थीं। उन सिफारिशों को छांटने और सूचीबद्ध करने का काम देशमुख ने मुझे सौंप रखा था।' उन्होंने कहा, 'देशमुख के निर्देश पर मैं उनके पुलिस ट्रांसफर से जुड़े मौखिक आदेश को पुलिस आस्थापना बोर्ड (PEB) को यह कहकर भेजते थे कि इन सिफारिशों पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाए।

मार्च में खत्म होगी तीसरी लहर, धीरे-धीरे हटेंगी बंदिशें : राजेश टोपे

मुंबई: महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा, 'विशेषज्ञों का अनुमान है कि मार्च के दूसरे सप्ताह तक कोरोना की तीसरी लहर पूरी तरह खत्म हो जाएगी। फिर धीरे-धीरे बंदिशें हटेंगी।' उन्होंने कहा, 'राज्य में कुछ दिन पहले करीब 48,000 कोरोना केस एक दिन में मरीज मिल रहे थे। अब यह संख्या 15,000 के आसपास आ गई है। मुंबई में रोज नए कोरोना मरीजों की संख्या 20,000 से घटकर करीब 600 रह गई है। यह इसका संकेत है कि तीसरी लहर अब खत्म हो रही है। पिछले दिनों हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हुई चर्चा के बाद मौजूदा हालात को देखते हुए राज्य सरकार अब कोई और नया प्रतिबंध लगाने के मूड में नहीं है। सरकार का विचार धीरे-धीरे प्रतिबंधों को खत्म करने का है। ढील दी भी जा रही है।'

कोरोना पॉजिटिविटी रेट में कमी

पिछले 24 घंटों में मुंबई में कोरोना के पॉजिटिविटी रेट में जहां कमी आई है, वहीं राज्य में मौतें बढ़ गई हैं। गुरुवार के मुकाबले शुक्रवार को पॉजिटिविटी रेट 2.21 फीसद से घटकर 1.90 फीसद हो गया। राज्य में मौतों की संख्या 7 फीसद बढ़ गई है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को कोरोना के 13,840 मरीज मिले, जिनमें मुंबई के 846 मरीज शामिल हैं। शुक्रवार को राज्य में कोरोना से 81 लोगों की मौत हुई। इनमें मुंबई के 7 मरीज हैं। राज्य में गुरुवार को कोरोना से 75 लोगों की मौत हुई थी।

कोरोना मरीजों की संख्या हजार के नीचे

मुंबई में कोरोना मरीजों की संख्या हजार के नीचे आ गई है, जिससे रिकवरी रेट सुधर कर 97 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह ग्रोथ रेट 0.10 प्रतिशत पर आ गया है। इसमें कोलाबा में सबसे ज्यादा 0.18 प्रतिशत और चेंबूर एरिया में 0.17 प्रतिशत है। कोरोना के डबलिंग रेट में भी सुधार हुआ है। डबलिंग रेट अब 662 दिन तक पहुंच गया है। धारावी, दादर एवं माहिम में सबसे अच्छा 1112 दिन, दहिसर में 1090 दिन और बोरीवली में डबलिंग रेट 1008 दिन हो गया है।

12162 ऑक्सिजन बेड तैयार

कोरोना के इलाज के लिए 12162 ऑक्सिजन बेड तैयार किए गए हैं। उसमें से 11468 बेड खाली हैं। वहीं, सिर्फ 694 ऑक्सिजन बेड पर मरीज हैं। इसी तरह 3043 आईसीयू बेड में से 2450 बेड पर कोई मरीज नहीं हैं। 593 मरीजों को ही आईसीयू बेड की आवश्यकता है।

मुंबई में चलेगी मालगाड़ी लोकल! कम होंगी व्यापारियों की मुश्किलें

मुंबईः दुनियाभर में मुंबई लोकल के नेटवर्क और लाखों की भीड़ को संभालने की क्षमता पर अचरज किया जाता है। जो भी मुंबई आता है, एक बार मुंबई की जीवन रेखा यानी लोकल ट्रेन का अनुभव जरूर लेना चाहता है। पिछले 169 सालों से लोकल ने मुंबई को बनाया है और बढ़ाया है। अब मुंबई में ऐसा और कुछ होने जा रहा है, जिससे शायद व्यापार उद्योग जगत में नई क्रांति आ जाए। मुंबई में मालगाड़ी लोकल चलाने की योजना बन रही है। इस बजट में फ्रेट ईएमयू की परियोजना पर काम करने के लिए ₹1500 करोड़ का आवंटन किया गया है। ईएमयू यानी इलेक्ट्रिकल मल्टिपल यूनिट (लोकल ट्रेन) मुंबई के अलावा देश के कुछ और शहरों में भी चलती है, लेकिन इसका अधिकतम

उपयोग यहीं होता है। ऐसे में जानकारों का मानना है कि देश की आर्थिक राजधानी को रफ्तार देने के लिए ईएमयू फ्रेट की योजना बनाई गई है।

बहीखाता में हुआ उल्लेख

रेलवे के सालाना खर्चों का लेखा-जोखा और योजनाओं का रेकॉर्ड रखने वाली पिंक बुक में फ्रेट ईएमयू के लिए राशि आवंटित करने का उल्लेख है। रेलवे मंत्रालय के एक सूत्र के अनुसार ₹200 करोड़ रुपये की पूंजी इस काम के लिए रखी गई है, जबकि ₹1300 करोड़ रुपये बजट के अतिरिक्त विकल्प से जुटाए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट को सीधे दिल्ली से रेलवे बोर्ड द्वारा मॉनिटर किया जा रहा है। हालांकि, योजना को शुरू करने के लिए एक हजार रुपये की टॉकन राशि दी गई है।

बनेंगी 25 फ्रेट लोकल ट्रेनें

रेलवे की योजना के अनुसार, 25 फ्रेट लोकल ट्रेनें बनाने से शुरुआत की जाएगी। इसके डिजाइन और बनावट पर विचार विमर्श किया जा रहा है। प्रत्येक लोकल के लिए तकरीबन ₹60 करोड़ रुपये खर्च किए जा सकते हैं। प्रत्येक ट्रेन में 16 कोच लगाने का अनुमान है। सामान्य लोकल ट्रेनें 12 या 15 डिब्बों की होती हैं, लेकिन फ्रेट लोकल इससे लंबी हो सकती है। लोकल ट्रेनों में हर 3 कोच का एक यूनिट बनता है, जबकि फ्रेट में एक यूनिट चार कोच का हो सकता है।

अन्ना फिर करेंगे आंदोलन

सुपर मार्केट में वाइन बिक्री के फैसले के खिलाफ सीएम उद्धव ठाकरे को लिखा पत्र

समाजसेवी अन्ना हजारे एक बार फिर आंदोलन करने की तैयारी कर रहे हैं. इस बार वे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास आघाडी सरकार के खिलाफ हड़ताल पर बैठने वाले हैं. महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के सुपर मार्केट्स, मॉल्स और किराने की दुकानों में वाइन बेचने की इजाजत दे दी है. अन्ना हजारे इस फैसले से बेहद नाराज हैं. उनका यह साफ तौर से मानना है कि इससे महाराष्ट्र में शराबखोरी बढ़ेगी. अन्ना हजारे ने अपना असंतोष जताते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र भी लिखा है. अन्ना हजारे ने अपने पत्र में यह चेतावनी दी है कि वे राज्य सरकार के इस फैसले के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे. इससे पहले भी अन्ना हजारे ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी. उन्होंने इस फैसले को अफसोसनाक बताते हुए कहा था कि सरकार का काम नशामुक्ति के लिए उपाय करना है, ना कि राजस्व बढ़ाने के लिए नशाखोरी को बढ़ावा देना. उन्होंने कहा था कि महा विकास आघाडी सरकार के इस फैसले से निश्चित रूप से लोगों में नशे की लत बढ़ेगी. अब अन्ना ने सीधे इनडेफिनिट स्ट्राइक की चेतावनी देकर ठाकरे सरकार की चिंताएं बढ़ा दी हैं. राज्य के सुपर मार्केट, मॉल्स और किराने की दुकानों में वाइन बिक्री की अनुमति देने का निर्णय महाविकास आघाडी सरकार के मंत्रिमंडलीय बैठक में लिया गया था. अब देखना है कि अन्ना हजारे के इस पत्र पर महा विकास आघाडी सरकार क्या रुख अपनाती है.

मुंबई पुलिस पर फिर लगा दाग, ACP शालिनी शर्मा के खिलाफ वसूली का मामला दर्ज

मुंबई: मायानगरी के पूर्वी उपनगर चेंबूर में एक महिला से कथित तौर पर उगाही के आरोप में दो पुलिसकर्मियों समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक चेंबूर पुलिस स्टेशन में सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) शालिनी शर्मा, निलंबित इंस्पेक्टर अनिल जाधव और एक शख्स राजू सोंताके के खिलाफ गुरुवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। शिकायतकर्ता इवेंट मैनेजमेंट के व्यवसाय में हैं। उनके अनुसार, आरोपियों ने पिछले साल 24 फरवरी को उनसे रकम मांगी थी।

सूत्रों के मुताबिक आरोपियों ने शिकायतकर्ता से कथित तौर पर दो लाख और 50 लाख रुपये की मांग की थी। उन्होंने कहा, 'मुंबई पुलिस की अपराध शाखा की यूनिट-6 ने शिकायत की जांच की। उसके बाद धारा 389 (अपराध के डर से व्यक्ति से जबरन वसूली करने) और आईपीसी के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ट्रांसफर की अनऑफिशल लिस्ट महाराष्ट्र के पूर्व चीफ सेक्रेटरी सीताराम कुंटे ने ईडी को स्टेटमेंट दिया है कि तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख अक्सर उन्हें पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर के लिए एक 'अनऑफिशल लिस्ट' सौंपते थे। उन्होंने कहा है, 'मैं उनका मातहत था, इसलिए उस लिस्ट को मानने से इनकार नहीं कर पाता था।' कुंटे के ये खुलासे अनिल देशमुख के खिलाफ दायर चार्जशीट का हिस्सा हैं। कुंटे ने

ईडी से पूछताछ में उस दौर का जिक्र किया है, जब वह चीफ सेक्रेटरी बनने से पहले गृह विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव होने के नाते देशमुख के अंडर में काम करते थे। उन्होंने कहा कि 'अनऑफिशल लिस्ट' में लिखे अधिकांश नाम अंतिम स्थानांतरण आदेश में भी शामिल रहते थे।

परमबीर सिंह ने लगाया था आरोप

मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने देशमुख और अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। उसके बाद सीबीआई ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। फिर ईडी ने भी देशमुख व अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था।

अनिल देशमुख का दावा

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दिए अपने बयान में दावा किया है कि मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह उद्योगपति मुकेश अंबानी के मुंबई में स्थित आवास 'एंटीलिया' के पास पिछले साल विस्फोटकों वाली कार मिलने की घटना के 'मास्टरमाइंड' थे। देशमुख का दावा धनशोधन मामले में ईडी के पूरक आरोप पत्र का हिस्सा है जिसमें एनसीपी के वरिष्ठ नेता और उनके दो बेटों को आरोपी बनाया गया है। पूरक आरोप-पत्र पिछले साल दिसंबर में मुंबई की एक अदालत में दायर किया गया था।

ई-रुपये पर जल्दबाजी ना करें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि डिजिटल रुपये से फाइनैंशल टेक्नॉलजी की दुनिया में बड़े बदलाव आएंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति ई-रुपया के बदले कैश यानी नकदी हासिल कर सकेगा। डिजिटल करंसी से नोटों की छपाई, प्रबंधन और लाने ले जाने पर जो खर्च होता है, उसमें भी बचत होगी। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में कहा था कि अगले वित्त वर्ष में रिजर्व बैंक डिजिटल रुपया लाएगा। वैसे, यह कोई नया प्रस्ताव नहीं है। 2017 में सरकार की एक उच्चस्तरीय समिति ने भी रिजर्व बैंक को सेंटल बैंक डिजिटल करंसी (सीबीडीसी) लाने का सुझाव दिया था। इधर, दुनिया के कई देशों में केंद्रीय बैंक डिजिटल करंसी को लेकर प्रयोग कर रहे हैं। इनमें चीन, जापान और स्वीडन जैसे देश शामिल हैं। बहामाज और नाइजीरिया ने तो अपने सीबीडीसी लॉन्च भी कर दिए हैं। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर सीबीडीसी के फायदे और नुकसान को लेकर बहस भी चल रही है। इसका सबसे बड़ा फायदा तो यही है कि लोगों को पेमेंट का सस्ता जरिया मिलेगा। उन लोगों को खासतौर पर फायदा होगा,

जिनकी पहुंच बैंकों तक नहीं है। दूसरा लाभ यह है कि इससे काले धन पर रोक लगेगी। डिजिटल पेमेंट को ट्रैक किया जा सकता है। इसलिए उसे टैक्स के दायरे में लाने में मदद मिलेगी। सरकार सीबीडीसी डिजिटल वॉलेट का इस्तेमाल डायरेक्ट ट्रांसफर के लिए भी कर सकती है। इन फायदों के साथ डिजिटल रुपये को लेकर कई सवाल भी हैं।

पहला सवाल तो यही है कि अगर रिजर्व बैंक ऐसी करंसी लाता है तो क्या निजी क्षेत्र की पेमेंट कंपनियां उससे मुकाबला कर पाएंगी क्योंकि लोग सीबीडीसी पर अधिक भरोसा जताएंगे? भारत में इधर निजी क्षेत्र में पेमेंट इनोवेशन तेजी से हुए हैं। सरकार ने यूपीआई के जरिये उन्हें एक अहम प्लैटफॉर्म मुहैया कराया है। डिजिटल रुपये को लेकर रिजर्व बैंक को यह सुनिश्चित करना होगा कि उससे निजी फाइनैंशल टेक्नॉलजी सेग्मेंट पर असर ना हो। दूसरा सवाल यह कि अगर सीबीडीसी एकाउंट्स को बैंक खातों से सुरक्षित माना गया तो बैंकों में डिपॉजिट पर बुरा असर पड़ेगा। इससे मौद्रिक नीति भी प्रभावित हो सकती है, जो केंद्रीय बैंक का मुख्य काम है। रिजर्व बैंक और सरकार को इसका जवाब भी तलाशना होगा। देश में अभी ऐसा डिजिटल रिटेल पेमेंट सिस्टम है, जो दिन-रात काम करता है। आरबीआई ने दिसंबर 2018 से जनवरी 2019 के बीच 6 शहरों में रिटेल पेमेंट को लेकर सर्वे किया था। इससे पता चला कि 500 रुपये तक का भुगतान लोग नकद में करना पसंद करते हैं, वहीं ऊंची रकम के लिए डिजिटल माध्यम को तेजी से अपनाया जा रहा है। पिछले पांच साल में डिजिटल पेमेंट में 50 फीसदी से अधिक की रफ्तार से बढ़ोतरी हो रही है। ऐसी स्थिति में सीबीडीसी लाने का मकसद क्या है, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए। साथ ही, इसे लाने से पहले सारे पहलुओं पर गौर करना चाहिए। इसमें कोई जल्दबाजी नहीं की जानी चाहिए।

रूस-अमेरिका: टकराव कोई हल नहीं

किरीट ए. चावड़ा

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने कहा है कि अमेरिका यूक्रेन के मसले पर रूस को युद्ध में खींचना चाहता है। दूसरी तरफ अमेरिका बार-बार दोहरा रहा है कि युद्ध किसी के हक में नहीं होगा। बावजूद इसके, यूक्रेन पर दोनों पक्षों के बीच तनातनी कम होने का नाम नहीं ले रही। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का रूस को लेकर रुख डॉनल्ड ट्रंप के मुकाबले ज्यादा कड़ा दिख रहा है तो उसकी वजह भी है। एक तो उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी मानती है कि पूतिन अमेरिका के घरेलू मामलों में अवैध दखलंदाजी करते हैं। दूसरी बात यह कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के फैसले के चलते राष्ट्रपति बाइडन की जो किरकिरी हुई, रूस को झुकाते हुए दिखने से उसकी कुछ भरपाई हो सकती है। मगर दोनों पक्षों के बीच का यह तनाव भारत की मुश्किलें बढ़ा रहा है। अब तक उसने खुद को तटस्थ बनाए रखा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इस हफ्ते यूक्रेन पर चर्चा से पहले हुई प्रक्रियागत वोटिंग में भारत शामिल नहीं हुआ। लेकिन अगर दोनों पक्षों में युद्ध की नौबत आती है तो भारत की उलझन निश्चित रूप से बढ़ जाएगी। रूस न केवल भारत का परंपरागत तौर पर मित्र देश रहा है

बल्कि आज भी उसकी रक्षा जरूरतें पूरी करने का सबसे बड़ा स्रोत रूस ही है। अमेरिका और रूस के बीच सैन्य टकराव का सहज परिणाम यह होगा कि रूस पर पाबंदियां लग जाएंगी। जवाब में रूस यूरोपीय देशों को गैस की सप्लाई रोक सकता है। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का भाव बढ़ेगा जो कोविड प्रभाव से उबरती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक और झटका साबित हो सकता है। इस मामले का एक अहम पहलू चीन से जुड़ा है। यूक्रेन को लेकर हुआ सैन्य टकराव रूस की चीन पर निर्भरता बढ़ा देगा। रूस ने अब तक तो भारत और चीन के तनावपूर्ण रिश्तों में खुद को निरपेक्ष रखा है, लेकिन बदले हालात में चीन की ओर झुकने की मजबूरी के बीच संतुलन बनाए रखना रूस के लिए भी मुश्किल होगा। दूसरी ओर अमेरिका भी भारत के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन पर अंकुश लगाने की जो रणनीति बनाई गई है, उसमें भारत और अमेरिका की केंद्रीय भूमिका है। सैन्य टकराव की स्थिति में अमेरिका का यह आग्रह बढ़ जाएगा कि भारत रूस के साथ अपने संबंधों पर पुनर्विचार करे। ध्यान रहे रूस से एस 400 मिसाइल सिस्टम खरीदने के सिलसिले में भारत पर पाबंदी लगाने को लेकर भी अमेरिका ने अभी तक अंतिम फैसला नहीं किया है। हालांकि इन सबके बावजूद यूक्रेन पर अमेरिका और रूस के बीच तनाव घटाने में भारत की कोई खास भूमिका बनती नहीं दिखती है। ऐसे में भारत को बदलती स्थितियों पर सतर्क नजर रखते हुए संभावित नतीजों से निपटने की तैयारी जरूर रखनी चाहिए।

अमेरिका के गले की नई फांस बनेगा यूक्रेन?

गणेश पाण्डेय

पूर्व सोवियत गणराज्य यूक्रेन पर अपना प्रभुत्व जमाने को लेकर रूस और अमेरिका के बीच पैदा सैन्य तनाव खुली लड़ाई में बदला तो इसके भयावह नतीजे न केवल यूरोप बल्कि पूरी दुनिया को झेलने पड़ सकते हैं। इसके मद्देनजर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की समर नीति पर सवाल नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) में भी उठाए जाने लगे हैं। पूछा जा रहा है कि रूस की घेरेबंदी की इस नीति पर अड़े रहना अमेरिका के लिए दीर्घकालीन नजरिये से कितना अनुकूल होगा। रूस से सीधे टकराव की स्थिति में अमेरिका का ध्यान हिंद-प्रशांत के क्वाड (अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान) गठजोड़ को मजबूत करने से हट जाएगा, जिससे चीन को भारी राहत मिलेगी। गौरतलब है कि अमेरिका ने चीन को सबसे बड़ी सामरिक चुनौती के तौर पर घोषित किया है। इसलिए उसे चीन से निबटने की प्राथमिकता के मद्देजनर रूस के साथ होड़ को दुश्मनी में नहीं बदलना चाहिए था।

मनगढ़ंत आरोप

कहा जा रहा है कि अपनी सीमाओं से हजारों मील दूर जाकर अपनी दादागीरी दिखाना अमेरिका पर उसी तरह भारी पड़ेगा, जैसा कि पश्चिम एशिया में पिछले दो दशकों के दौरान सबने देखा है। हालांकि अफगानिस्तान में अमेरिकी हस्तक्षेप के लिए अलकायदा-तालिबान गठजोड़ ने उकसाया था। उस हमले का पूरी दुनिया ने स्वागत भी किया था। लेकिन इसके बाद अमेरिका उस शेर जैसा बर्ताव करने लगा, जिसे मानव-खून का स्वाद लग गया हो। अफगानिस्तान में आतंकवाद से लड़ने का मिशन शुरू ही हुआ था कि अमेरिका ने इराक की गैरकट्टरपंथी मानी जाने वाली सद्दाम हुसैन सरकार को गिराने के लिए उस पर मनगढंत आरोप लगा दिए। कहा कि इराक परमाणु हथियार बना रहा है। ये आरोप कभी सिद्ध नहीं हुए, लेकिन अमेरिका ने सद्दाम हुसैन की सरकार को गिरा कर ही दम लिया। इराक में अमेरिका की पिट्ठू सरकार तो बनी लेकिन वहां वह प्रभुत्व नहीं जमा सका। इराक और आसपास के इलाकों में इस्लामिक स्टेट नाम के अधिक खूंखार आतंकवादी संगठन ने जन्म लिया और कुछ ही सालों में इसने अपने पांव न केवल पूरे पश्चिम एशिया में फैला लिए बल्कि दक्षिण एशियाई मुल्कों में भी इसके गुर्गे देखे जाने लगे।

पश्चिम एशिया में इराक के बाद एक और गैरकट्टरपंथी देश लीबिया के कर्नल गद्दाफी के पांव जब अमेरिका ने उखाड़े तो इस्लामिक स्टेट को वहां भी पांव पसारने का मौका मिला। इससे भी मन नहीं भरा तो एक और गैरकट्टरपंथी इस्लामी मुल्क सीरिया की असद सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए अमेरिका ने उन विद्रोही ताकतों को अपना लिया, जिनके तार इस्लामिक स्टेट से जुड़े थे। असद सरकार को गिराने के लिए 2015 के बाद से अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने जिस तरह सीरिया का जनजीवन तबाह किया, वह अक्षम्य है। सीरिया के पक्ष में रूस खड़ा नहीं होता तो असद सरकार भी अमेरिकी फौजों के हत्थे

अमेरिका ने पश्चिम एशिया में जो गलती की, उसे यूक्रेन में ना दोहराए

चढ़ चुकी होती।

सद्दाम हुसैन, कर्नल गद्दाफी और बशर असद को भले ही तानाशाह राष्ट्रपति कहा जाए और भले ही इन तीनों ने कभी अमेरिकी चौधराहट स्वीकार नहीं की हो, लेकिन यह भी सच है कि इनके जीवनकाल में इनकी धरती पर कभी आतंकवाद ने अपना फन नहीं उठाया। इन तीनों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर अमेरिका ने पूरे पश्चिम एशिया को इस तरह अस्थिर कर दिया कि उसके बुरे नतीजे इस संपूर्ण क्षेत्र के आम जनजीवन पर देखे जा रहे हैं। सबसे बड़ी बात तो यह कि इतना सब कर गुजरने का अमेरिका को क्या फायदा हुआ, यह भी साफ नहीं है। इन तीनों मुल्कों में अस्थिरता की वजह से ही खनिज तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं, जिसका असर भारत सहित पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर देखा जा रहा है।

अमेरिका ने दो दशक पहले अफगानिस्तान को अपने नियंत्रण में तो लिया, लेकिन इसके तुरंत बाद इराक में भी सेंध मारने की वजह से अफगानिस्तान उसके हाथ से निकलना शुरू हो गया। पश्चिम एशिया पर अपना सामरिक दबदबा बनाने के लिए अमेरिका ने जहां लीबिया और सीरिया में तबाही मचाई, वहीं आतंकवादी तालिबान और अलकायदा को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान की खुशामद की नीति भी अपनाई, जिसकी वजह से अफगानिस्तान में उसके पांव उखड़े और काबुल से दुम दबाकर अमेरिकी फौज को रातोरात सारे सैनिक साजो-सामान छोड़कर भागना पड़ा। आज आतंकवादी ताकतों की वजह से पश्चिम एशिया झुलस रहा है और वहां घोर मानवीय त्रासदी का अंतहीन सिलसिला जारी है।

अब अमेरिका ने जिस तरह से यूक्रेन में नाटो की सेना तैनात करनी शुरू की है, वह उसके लिए पश्चिम एशिया से भी बड़ी सामरिक भूल साबित होगी। यूक्रेन पूर्व सोवियत संघ का एक गणराज्य रहा है। भले 1991 में वह आजाद हो गया हो, पर वह इस तरह अमेरिकी खेमे में चला जाए और अमेरिकी अगुआई वाले नाटो सैनिकों की इस इलाके में तैनाती का जरिया बन जाए, यह रूसी नेतृत्व को नागवार गुजरना स्वाभाविक है। अमेरिका यूक्रेन पर इसलिए नहीं लड़ रहा कि उसे वहां के जनतांत्रिक शासन या वहां के लोगों से प्यार है। वह यूक्रेन के बहाने रूस की सीमाओं पर अपने सैनिक तैनात कर उसकी सामरिक घेरेबंदी को मजबूत करना चाहता है। पूर्वी यूरोप के पोलैंड, बुलगारिया, चेक आदि देश यूरोपीय संघ के सदस्य बन चुके हैं, जिनकी रक्षा की नैतिक जिम्मेदारी अमेरिका ले रहा है।

वह पुराना वादा

1991 में जब सोवियत संघ का विघटन हुआ तो सोवियत अगुआई वाले सैन्य संगठन वारसा पैक्ट को इस अमेरिकी वादे के बाद भंग किया गया कि वह सोवियत संघ से आजाद हुए मुल्कों को नाटो का सदस्य नहीं बनाएगा। इस वादे का समुचित आदर करते हुए अगर अमेरिका रूस से सहयोग गहरा करने की नीति पर चलता रहता तो वह आज चीन से बेहतर और प्रभावी ढंग से निबट सकता था। उसके लिए अब चीन से निबटना पहाड़ साबित होगा। पिछले दशकों में अमेरिका ने जो सामरिक भूलें की हैं, यूक्रेन उसी सिलसिले की अगली कड़ी साबित होने वाला है।

FM ने डिमांड बढ़ाने पर नहीं दिया ध्यान

भूपेन्द्र पटेल

अर्थव्यवस्था में तेजी लाने के लिए या बाजार का चक्का घुमाने के लिए दो तरह की पॉलिसी होती हैं। एक डिमांड साइड पॉलिसी और दूसरी सप्लाई साइड पॉलिसी। मान लीजिए, आप मंडी में हैं। वहां आलू की बिक्री बढ़ाने के लिए दो उपाय हैं- एक यह कि खरीदार ज्यादा आ जाएं तो किसान ज्यादा आलू ले आएंगे क्योंकि सब बिक जाएगा। दूसरा उपाय है कि आप आलू को सस्ता करें और जो खरीदार अभी तक नहीं आए थे, वे आ जाएं तो भी आलू बिक जाएगा। अंतर यह है कि अगर आप डिमांड बढ़ाएंगे तो निश्चित मानिए कि व्यापारी कहीं न कहीं से बेचने के लिए आलू ले ही आएगा। लेकिन अगर सप्लाई बढ़ गई तो जरूरी नहीं कि खरीदार आ ही जाए। चार साल पहले गुजरात के पालनपुर में किसान मंडी में 3 रुपये किलो आलू नहीं बेच पाए। आलू का दाम कम हो गया, लेकिन खरीदार नहीं आए। तब किसानों को आलू सड़कों पर फेंक दिया।

उत्पादन पर इंसेंटिव

इसी संदर्भ में, सरकार ने सप्लाई बढ़ाने का प्रयास किया है। बड़े उद्योगों को 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' दिया गया है, जिससे वे माल का ज्यादा उत्पादन करें और इससे उनकी लागत कम हो। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में GDP दर कमजोर रही है। उद्योग इंसेंटिव तो ले रहे हैं, लेकिन उत्पादन नहीं बढ़ रहा। सरकार छोटे उद्योगों के लिए कर्ज लगातार सस्ता कर रही है। अब अगर उनका माल सस्ता हो भी जाए तो बाजार में मांग नहीं है। इसलिए छोटे उद्यमी पिट रहे हैं। सरकार इसी नीति को पिछले 7 वर्षों से लागू कर रही है। कोविड से पहले ही 2014-2019 में भी हमारी इकॉनमिक ग्रोथ रेट घट रही थी। कारण यह कि सरकार मांग नहीं पैदा कर पा रही है और आम आदमी के हाथ में क्रय शक्ति नहीं दे पा रही है। सरकार कह रही है कि तुम्हारी क्रय शक्ति कम है तो हम माल सस्ता कर देंगे। गरीब आदमी बोलता है कि मेरे पास पैसे नहीं हैं, मैं गेहूं नहीं खरीद पा रहा हूं, मैं कपड़े का क्या करूंगा?

यह बजट की फंडामेंटल कमी है। यह विषय रोजगार से भी जुड़ा है। जब आम आदमी को रोजगार देंगे तो उसको वेतन मिलेगा और वह बाजार से कपड़ा खरीदेगा। लेकिन नोटबंदी और GST के कारण छोटे उद्योग दबाव में आ गए, रोजगार खत्म हो गया, इसलिए बाजार सपाट है, मांग नहीं है और GDP अटका हुआ है। यह गड़बड़ी इस साल के बजट में और गहरी हुई है। सरकार को मांग पैदा करने के लिए जनता को नगद वितरण करना था, जिससे कि वह बाजार से माल खरीदती। लेकिन सरकार का खर्च सरकारी कर्मियों पर ज्यादा हो रहा है। ये अपनी आय के एक हिस्से को प्रॉपर्टी खरीदने या विदेश में निवेश करने में लगा रहे हैं। देश की पूंजी से मांग बाहर

बन रही है। घरेलू बाजार पस्त हैं।

बजट का सकारात्मक पहलू बुनियादी ढांचे में सुधार है। बुनियादी संरचना खासकर हाईवे जिसमें नितिन गडकरी का बड़ा योगदान रहा है, उसमें लगातार सुधार हो रहा है। यह बहुत जरूरी है, लेकिन इसका दूसरा पक्ष फिर आम आदमी का है। मान लीजिए कि आपके गांव के बगल से एक हाईवे निकलता है। आपकी कुछ जमीन हाईवे के दूसरी साइड में है। अब आपको 15 किलोमीटर घूम कर जाना पड़ेगा। या मान लीजिए आपको पैदल हाईवे पार करना है। गाड़ियां 8 लेन के हाईवे पर तेज गति से चल रही हैं। आप रोड क्रॉस नहीं कर सकते। आम आदमी के लिए कठिनाई बढ़ गई है। लेकिन यदि सरकार हाईवे के साथ ऑटोमेटिक लैडर्स लगा दे तो यह विन-विन की स्थिति हो जाती है। गाड़ी भी तेज चलेगी और पैदल चलने वाला भी अपनी मंजिल तक पहुंच सकेगा। लेकिन यदि आपने पैदल चलने वाले के लिए सीढ़ियां नहीं लगाईं तो बड़े लोगों के लिए हाईवे लाभप्रद हो गया और छोटे लोगों के लिए परेशानी। सरकार को आम आदमी की खातिर बुनियादी संरचना में निवेश करना चाहिए था। छोटे कस्बों में आप अच्छी बस सेवा, साफ पानी, फ्री वाई-फाई उपलब्ध कराएं तो कस्बों के युवा इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन ट्यूशन दे सकते हैं।

युवाओं के लिए इस बजट में रोजगार का रोडमैप नहीं है। आने वाला समय इंटरनेट का होगा। सरकार को युवाओं की उन कुशलताओं को बढ़ाना चाहिए था, जो वे इंटरनेट के माध्यम से बेच सकें। अपने यहां लाखों बीएससी मैथमेटिक्स पास के युवा होंगे, जो बेरोजगार हैं। पूरी दुनिया में मैथमेटिक्स के अध्यापकों का बड़ा अभाव है। यदि वे इंटरनेट के माध्यम से मैथमेटिक्स की ट्यूशन दे सकें तो घर बैठे वह काम कर सकते हैं। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस भी इनका रोजगार नहीं ले पाएगा। टीचिंग का काम अध्यापक और विद्यार्थी के वन टु वन कनेक्शन से होता है या हमारे कई एमबीबीएस 15,000-20,000 की नौकरी कर रहे हैं। वे टेलिमेडिसिन कर सकते हैं।

सरकारी नौकरी की होड़

सरकार को चाहिए था कि इन युवाओं को अपनी स्किल बेचने के लिए बजट के जरिए मदद मुहैया कराती। जैसे सरकार 'इंग्लिश ट्यूटर एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन' स्थापित कर सकती थी, जो कि भारतीय इंग्लिश टीचर्स को अफ्रीका में नौकरी दिलाता। गृहणी अच्छा खाना बना लेती है तो वह अपनी कुकिंग कोर्सेज ऑनलाइन दे सकती है। विदेशियों को केक और पिज्जा बनाना सिखा सकती है। लेकिन सरकार ने सरकारी कर्मियों को ऊंचे वेतन देकर संपूर्ण युवा वर्ग को सरकारी नौकरी की होड़ में लगा दिया है। संगठित क्षेत्र में विदेशी निवेश आ जाए और फैक्ट्री लग जाए तो भी ज्यादा रोजगार नहीं बनेंगे चूंकि वहां रोबॉट से उत्पादन होगा। उत्पादन के संगठित क्षेत्र में कुल रोजगार घट ही रहे हैं। रोजगार पैदा करने के लिए बड़ी कंपनियों के सहारे आर्थिक विकास के मंत्र को छोड़ना होगा।

पश्चिम रेलवे के खिलाड़ियों ने किया बेहतरीन प्रदर्शन

संवाददाता। मुंबई

जानकारी अनुसार तेलंगाना के वारंगल में आयोजित 60वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पश्चिम रेलवे के एथलीटों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और कई पदक जीते। सुश्री पारुल चौधरी ने 5000 मीटर और 3000 मीटर स्टीपल चेज़ में स्वर्ण पदक जीते रश्मि के. ने भाला फेंक में रजत जबकि लंबी कूद में निर्मल साबू ने कांस्य पदक जीता।

पटियाला, पंजाब में आयोजित 73वीं पुरुष सीनियर राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2021 में पश्चिम रेलवे के शुभम तोडकर ने 61 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। बेंगलुरु में आयोजित 74वीं स्लेनमार्क सीनियर नेशनल एक्वाटिक चैंपियनशिप 2021 में पश्चिम रेलवे के तैराक एरोन डिसूजा ने भारतीय रेल का प्रतिनिधित्व किया और कांस्य पदक जीता। इसके अलावा पश्चिम रेलवे के गोताखोरों - रितिका श्रीराम ने स्वर्ण (1 मीटर स्प्रिंग बोर्ड) और कांस्य पदक (3 मीटर स्प्रिंग बोर्ड) जीता भाविका पिंगले ने कांस्य पदक (1 मीटर स्प्रिंग बोर्ड) जीता, जबकि श्री गौरव रघुवंशी ने कांस्य पदक (1 मीटर और 3 मीटर स्प्रिंग बोर्ड) जीता। उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे के पाँच वाटरपोलो खिलाड़ी सारंग वैद्य, श्रेयस वैद्य, अश्विनी कुमार कुंडे, अक्षय कुमार कुंडे और मंदार ए भोइर ने भारतीय रेल टीम का प्रतिनिधित्व किया जिसने इस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। पश्चिम रेलवे के निशानेबाजों में से एक, रुचिता विनरकर ने भारतीय रेलवे का प्रतिनिधित्व करते हुए भोपाल में आयोजित 64वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण और कांस्य पदक जीतकर गौरव हासिल किया। पश्चिम रेलवे के पाँच खो-खो खिलाड़ी अर्थात- अमित पाटिल, रंजन शेट्टी, मजाहर जमादार, महेश शिंदे और प्रशांत रायडे भारतीय रेल की खो-खो टीम का हिस्सा थे, जिसने जबलपुर में आयोजित 54वीं सीनियर राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप 2021 जबलपुर में स्वर्ण पदक जीता।जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि पश्चिम रेलवे ने वर्ष 2021-22 के लिए 17वीं पुरुष और 11वीं महिला अखिल भारतीय रेलवे पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिपों में चैंपियंस ट्रॉफी जीती। उदयपुर में आयोजित 52वीं अखिल भारतीय रेलवे क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप 2021-22 में पश्चिम रेलवे की महिला क्रॉस कंट्री टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। गुवाहाटी में आयोजित 63वीं अखिल भारतीय रेलवे बास्केटबॉल चैम्पियनशिप 2021-22 में पश्चिम रेलवे की पुरुष बास्केटबॉल टीम उपविजेता (दूसरा स्थान) रही।

शिव सेना अकेले लड़ेगी बीएमसी का चुनाव, 100 से अधिक सीटें जीतने का दावा

मुंबई: शिव सेना ने बृहन्मुंबई महानगर पालिका (BMC) का चुनाव अकेले लड़ने और साथ ही अपने दम पर 100 से अधिक सीटें जीतने का दावा किया है। शिव सेना के नेता अनिल देसाई ने बुधवार को यह जानकारी दी। देसाई ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) द्वारा पुणे नगरपालिका का चुनाव अपने दम पर लड़ने संबंधी मीडिया रिपोर्टों को लेकर कहा कि शिवसेना, जो कई बार बीएमसी में सत्ता में रही है, चुनाव अकेले ही लड़ सकती है। शिव सेना नेता ने संसद के बाहर संवाददाताओं से कहा, 'महाराष्ट्र में हम कांग्रेस और राकांपा के साथ गठबंधन में हैं। लेकिन आज पुणे में राकांपा नेतृत्व ने घोषणा की कि वे अकेले ही चुनाव लड़ने जा रहे हैं। हम हमेशा से ही बीएमसी में करीब 100 सीटें जीतते आए हैं और इस बार हम अकेले ही बीएमसी चुनाव लड़ने के लिए, तैयार हैं।' हालांकि, गोवा विधानसभा चुनाव में शिव सेना राकांपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ेगी, जैसा कि घोषणा की गई थी। गौरतलब है कि परिसीमन की प्रक्रिया के तहत 24 वार्डों में बीएमसी की कुल सीटों को 227 से बढ़ाकर 236 कर दी गयी है। बीएमसी के लिए मार्च के अंतिम सप्ताह अथवा अप्रैल के शुरू में चुनाव होने की उम्मीद है। वर्तमान में 227 सीटों में से शिव सेना के पास 97 सीटें हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी के पास 83, कांग्रेस के पास 29, राकांपा के पास 8, समाजवादी पार्टी के पास छह, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन के पास दो और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के पास एक सीट है।

दो पर्वतारोहियों की ट्रैकिंग के दौरान मौत, एक अन्य घायल

अहमदनगर। ट्रैकिंग के लिए गए दो पर्वतारोहियों की बुधवार को एक हादसे में मौत हो गई। दोनों अपनी टीम के साथ नासिक जिले के मनमाड में 'हडबीची शेंडी' पर पर्वतारोहण के लिए गए थे। मृतकों के नाम अनिल शिवाजी वाघ(34) भिस्तबाग अहमदनगर और मयूर दत्तात्रय म्हस्के(24) दहीगांव (अहमदनगर तहसील) है। उनका साथ प्रवीण पवार साकत अहमदनगर निवासी गंभीर रूप से घायल हुआ है। दोनों मृतक रिश्ते में मामा-भांजा थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार अहमदनगर की इंद्रप्रस्थ ट्रेकर्स टीम नीचे उतर रही थी, तब मयूर म्हस्के का सेफ्टी बेल्ट अचानक निकल गया उसे गिरता हुआ देख अनिल वाघ पहुंचा और उसका भी सेफ्टी बेल्ट अचानक निकल गया। गिरने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि व्यावसायिक ग्रुप इंद्रप्रस्थ ट्रेकर्स के तत्वावधान में 'हडबीची शेंडी' पर पर्वतारोहण अभियान का आयोजन बुधवार को किया गया था। इसमें अठारह पर्वतारोही शामिल थे। इनमें कुछ लड़कियां भी थीं।

पुलिस थाने में शिकायतः बोगस हस्ताक्षर मामले में अपराध दर्ज

अमरावती। गत माह अमरावती मनपा के नगर रचना विभाग अंतर्गत सहायक संचालक के फर्जी हस्ताक्षरों के जरिए प्रमाणपत्र बनाकर जमीन का पंजीयन करने के मामले में आखिरकार दुय्यम निबंधक कार्यालय के श्रीकांत पावडे ने गाडगेनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। यह संपूर्ण मामला जमीन पर होने वाले निर्माणकार्य के नक्शे के मंजूरी से जुड़ा हुआ है। जिसमें निर्माणकर्ता ने किसी दूसरे आवेदनकर्ता के टोकन नंबर का उपयोग करते हुए फर्जी हस्ताक्षर कर पंजीयन कराया था। इस मामले में कागजों की जांच के दौरान संदेह व्यक्त होने पर नगररचना विभाग की ओर से जांच की गई तो पता चला कि, कई लोगों की ओर से इस तरह की धोखाधड़ी करने की शिकायत हैं। जिसकी जांच कर आखिरकार नगररचना विभाग द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर दुय्यम उपनिबंधक कार्यालय की ओर से समाधान मावले, नरेश साहू, राजेश बंग, हितेश लड्ढा सहित पांच लोगों पर धोखाधड़ी करने तथा सरकारी कामकाज में व्यवधान डालने का मामाला दर्ज किया गया है। नगररचना विभाग की ओर से पूर्व में भी इस तरह के षडयंत्रकारी कार्य आरोपियों की ओर से किए जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। इस आशंका के मद्देनजर कार्यालयीन जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे नाम से खुलेंगे हेल्थ सेंटर, मुंबईकरों को अब घर के पास मिलेगा

मुंबई: कोरोना को कंट्रोल करने में विश्व में रोल मॉडल बनी बीएमसी प्राइमरी हेल्थ पर ज्यादा जोर दे रही है। इसलिए मौजूदा डिस्पेंसरियों, हेल्थ पोस्ट और मैटरनिटी होम को अपग्रेड करने की योजना बीएमसी ने बनाई है। इस अपग्रेडेशन के जरिये बीएमसी हेल्थ केयर सेंटर शुरू करने जा रही है। इसके शुरू होने से मुंबईकरों को उनके घर के पास स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। हेल्थ केयर सेंटर्स के लिए वर्ष 2022-23 के आर्थिक बजट में 250 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह हेल्थ सेंटर हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे के नाम से जाने जाएंगे। बता दें कि देश की सबसे अमीर महानगरपालिका बीएमसी ने साल 2022-2023 का आर्थिक बजट गुरुवार को पेश किया। बीएमसी ने जनता की सेहत का ख्याल रखते हुए इस बार के बजट में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 6933.45 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। अपने कुल बजट का 15 प्रतिशत बीएमसी स्वास्थ्य सुविधाओं पर खर्च करनेवाली है। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष का स्वास्थ्य बजट 46 फीसदी अधिक है। पिछले वर्ष बीएमसी का हेल्थ बजट 4728.53 करोड़ रुपये था। पिछले वर्ष कुल बजट का 12 फीसद स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रावधान किया गया था।

मध्य रेल की 1000वीं किसान रेल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

गणेश पाण्डेय।

मुंबई भारत सरकार के कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर अश्विनी वैष्णव रेल मंत्री गत 3.2.2022 को वेबलिंक के माध्यम मध्य रेल की सावदा, महाराष्ट्र से आदर्श नगर, दिल्ली के लिए किसान रेल की 1000वीं सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सावदा से आदर्श नगर दिल्ली रवाना हुई इस किसान रेल में 18 पार्सल वैन सहित 23 डिब्बे थे जिनमें 453 टन केलों का परिवहन किया गया।इस अवसर पर संबोधित करते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान है और माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में किसानों की बेहतरी के लिए अनेक पहलों को क्रियान्वित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि किसान रेल के माध्यम से बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए दूर-दूर के बाजारों में फलों और सब्जियों जैसे फलों और सब्जियों का परिवहन एक ऐसी योजना थी। तोमर ने कहा कि मध्य रेल पर किसान रेल की 1000वीं सेवा को हरी झंडी दिखाने के इस अवसर पर उपस्थित होकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है क्योंकि वे पहली किसान रेल और 100वीं किसान रेल को हरी झंडी दिखाने के अवसर के साक्षी थे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधान मंत्री हमेशा किसानहित को केंद्र में रखते हैं और किसानों की भलाई के लिए विभिन्न कदम उठाते हैं। किसान रेल एक ऐसी पहल है जिसने किसानों को अपनी कृषि उपज को दूर-दराज के बाजारों तक आर्थिक रूप से और तेजी से पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जीआई-टैग प्राप्त प्रसिद्ध जलगांव के केले का भी गर्व के साथ जिक्र किया। उन्होंने आगे जलगांव के किसानों को बधाई दी और आगे सुधार के लिए सुझाव देने के लिए आगे आने की अपील की। रावसाहेब दादाराव पाटिल दानवे रेल राज्य मंत्री, भारत सरकार रक्षा खडसे संसद सदस्य ने भी किसानों की बेहतरी के लिए रेलवे द्वारा की गई पहल की सराहना की।इस अवसर पर सावदा रेलवे स्टेशन पर विधायक द्वय चंद्रकांत पाटिल और शिरीष चौधरी उपस्थित थे.वीके. त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड ने स्वागत भाषण दिया और किसान रेल की शुरुआत के बाद से इसके परिचालन और छोटे किसानों के बीच यह कैसे लोकप्रियता हासिल कर रहा है, के बारे में जानकारी दी अनिल कुमार लाहोटी, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने मुंबई से सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

फर्जी दस्तावेज बनाकर गृहनिर्माण संस्था के प्लॉट पर किया कब्जा

नागपुर। फर्जी दस्तावेज तैयार कर एक गृहनिर्माण संस्था व शासन के साथ धोखाधड़ी करने वाले आरोपी मुकेश देशभ्रतार (58), डॉ आंबेडकर कॉलोनी, कामठी रोड निवासी पर जरीपटका पुलिस ने मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता कामठी रोड, नागपुर निवासी कवडू सहारे (58) है। संस्था ने दस्तावेजों की जांच-पड़ताल करने पर हुआ खुलासा : पुलिस के अनुसार कवडू सहारे पंचशील गृहनिर्माण सहकारी संस्था, डॉ. आंबेडकर कॉलोनी, कामठी रोड में वर्ष 2016 से सचिव के पद पर कार्यरत हैं। कवडू ने सोसाइटी के काम के लिए प्लॉट क्र.-79 को खाली छोड़ रखा था।

मनपा आयुक्त ने होटल एसोसिएशन के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक

संवाददाता। भाईंदर

मनपा आयुक्त के निर्देश पर होटल परिसर को नियमित रूप से साफ कर मनपा का सहयोग करने के विषय पर मीरा भायंदर मनपा आयुक्त दिलीप ढोले के मार्गदर्शन में सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज, माई वसुंधरा अभियान और स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियां का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी पृष्ठभूमि में नगर आयुक्त ने शहर में साफ-सफाई के मद्देनजर होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष व सदस्यों की विशेष समीक्षा बैठक की. बैठक में अतिरिक्त आयुक्त विजय कुमार म्हसाल, संभाजी पानपट्टे, उपायुक्त (जन स्वास्थ्य) रवि पवार, होटल एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित थे। स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 अभियान के तहत आयुक्त ने सभी होटलों को अपने परिसरों में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए आयुक्त ने होटल परिसर में मैकेनिकल कम्पोस्टिंग, अपशिष्ट पृथक्करण और दीवारों की पेंटिंग के निर्देश दिए।साथ ही शहर में सभी जगह सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्रवाई की जा रही है इसलिए किसी भी होटल व्यवसायी को पार्सल डिलिवर करते समय प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए बल्कि इसकी जगह कपड़े या पेपर बैग का इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही पार्सल की डिलीवरी के लिए उपलब्ध कराए गए कंटेनर बिना प्लास्टिक दिए रिसाइकिल करने योग्य होने चाहिए। साथ ही मीरा भायंदर शहर में स्वच्छ होटल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा और सभी होटल व्यवसायी अपने प्रबंधन को व्यवस्थित रखते हुए साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें।

बीएमसी ने पेश किया 45949 करोड़ रुपये का बजट

मुंबई, देश के सबसे धनी नगर निकाय बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने गुरुवार को निकाय चुनावों से पहले वर्ष 2022-23 के लिए 45,949.21 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। बजट अनुमान पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 17.70 प्रतिशत अधिक है, पिछले साल बीएमसी ने 39,038.83 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। मुंबई नगर निगम आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने बीएमसी मुख्यालय में आयोजित नागरिक स्थायी समिति की बैठक से पहले बजट पेश किया। बजट में नगर निकाय ने 500 वर्ग फुट तक के कार्पेट एरिया के फ्लैटों के लिए संपत्ति कर के भुगतान से 100 प्रतिशत राहत की घोषणा की। चहल ने अपने बजट भाषण में कहा, "लगभग 16,14,000 नागरिकों को 100 प्रतिशत संपत्ति कर राहत मिलेगी। नागरिकों को छूट की राशि 462 करोड़ रुपये प्रति वर्ष है।"

तेज रफ्तार बाइक फिसली, मां की मौत, बेटा जख्मी

नागपुर। कलमना क्षेत्र में मटन खरीदने के बहाने बड़े भाई की बाइक लेकर निकला और रास्ते में मां मिलने पर उसे बाइक पर बिठाकर तेज रफ्तार से घर लौटते समय बाइक फिसलने से मां-बेटा दोनों गंभीर जख्मी हो गए। हादसे में मां की मौत हो गई। मृतका का नाम वीसीबाई भुवनेश्वर मंडले (51), धरम नगर, कलमना निवासी है। कलमना पुलिस ने कम उम्र बेटे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बहाना कर बड़े भाई का वाहन ले गया था : पुलिस के अनुसार वीसीबाई का छोटा बेटा गत 1 फरवरी को बहाना कर बड़े भाई की बाइक (एम.एच.-49-बी.पी.-0154) लेकर घर से निकला।

मनपा कार्यक्षेत्र मे गुणवत्ता युक्त बिल्डिंग सामग्री जाँच प्रयोगशाला

संवाददाता।भाईंदर मीरा भायंदर मनपा क्षेत्र में विभिन्न विकास के साथ-साथ रखरखाव और मरम्मत कार्य निगम के निर्माण,जलापूर्ति और उद्यान विभागों द्वारा किया जाता है विकास कार्यों की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि विकास कार्यों में प्रयुक्त निर्माण सामग्री का परीक्षण कर उसकी गुणवत्ता अच्छी हो। इसी प्रकार कंक्रीट, डामर की गुणवत्ता की भी समय-समय पर सरकारी मानकों के अनुसार जांच करनी होती है। चूंकि इस निरीक्षण के लिए मनपा की अपनी सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला (बिल्डिंग मैटेरियल्स टेस्टिंग एक्सपेरिमेंट स्कूल) नहीं है,इसलिए अन्य शहरों में निजी प्रायोगिक स्कूलों और इंजीनियरिंग संस्थानों में जाकर सामग्री का परीक्षण करना पड़ता है। मीरा भायंदर मनपा की अपनी सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला बनाने के लिए, निगम ने सरकारी दर पर सामग्री का परीक्षण करने के लिए अपने खर्च पर प्रायोगिक विद्यालय स्थापित करने के लिए निविदा प्रक्रिया आयोजित की है। रेणुका कंसल्टेंट ने एक एक्सपेरिमेंट स्कूल की स्थापना की है। प्रायोगिक विद्यालय को अत्याधुनिक परीक्षण उपकरणों से सुसज्जित किया गया है और प्रशिक्षित कर्मचारी उपलब्ध कराए गए हैं मनपा द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं गुणवत्ता को बनाये रखने के लिये मनपा द्वारा किये गये विकास कार्यों में प्रयुक्त निर्माण सामग्री, कंक्रीट, डामर का निरीक्षण कर कार्य की गुणवत्ता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जायेगी काम की गुणवत्ता में भी सुधार करेगा और काम को और अधिक टिकाऊ बनाएगा और मरम्मत लागत पर बचत करेगा।

तीन साल में बेस्ट की सभी बसें होंगी इलेक्ट्रिक, पर्यावरण पर है बीएमसी का विशेष ध्यान

सूत्रों के अनुसार, बेस्ट ने बसों के आधुनिकीकरण जैसे प्लान के लिए बीएमसी से ₹6650 करोड़ रुपये की मांग की थी। बेस्ट ने जो बजट पेश किया था, उसमें ₹2236 करोड़ रुपये का घाटा बताया था।

मुंबई: बीएमसी बजट पेश करने के बाद मुंबई मनपा कमिश्नर इकबाल सिंह चहल ने कई बार क्लाइमेट शब्द पर जोर दिया। इस क्लाइमेट यानी पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए मुंबई में इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन बढ़ाना है। खासतौर पर सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में इलेक्ट्रिक वाहनों की भागीदारी बढ़ानी है। इसलिए 2025 तक बेस्ट में सभी बसें इलेक्ट्रिक करनी हैं। बेस्ट जल्द ही 900 इलेक्ट्रिक डबल डेकर एसी बसें भी खरीदने जा रही है। इतने बड़े बदलाव के लिए बेस्ट को जिन पैसों की जरूरत है, वो बीएमसी से मिलने की आस रहती है। बीएमसी ने इस बार बेस्ट को ₹800 करोड़ देने की घोषणा की है, जो कि पिछली बार से महज ₹50 करोड़ ज्यादा है।

बेस्ट को मदद की जरूरत

बेस्ट अंडरटेकिंग पिछले कुछ सालों से लगातार इन्फ्रस्ट्रक्चर डिवेलपमेंट के लिए बीएमसी से मदद ले रही है। 2019-20 के बजट में बेस्ट को ₹2150 की मदद मिली थी। उसके बाद ₹918 करोड़ दिए गए। पिछले बजट में भी ₹750 करोड़ रुपये दिए गए, जबकि इस बार ₹800 करोड़ रुपये मिले हैं। इन पैसों का

अधिकतर हिस्सा बेस्ट के खर्चे में चला जाता है।

बेस्ट की 'ईको फ्रेंडली' योजना

बेस्ट ने 2100 इलेक्ट्रिक एसी बसें खरीदने की योजना बनाई थी। इनमें से 200 डबल डेकर बसें भी थीं। इसके अलावा बेस्ट ने 900 एसी डबल डेकर बस वेट लीज पर खरीदने की भी घोषणा की है। वेट लीज का मतलब है कि बेस्ट प्रति किमी के हिसाब से कंपनी को पैसे देगी और बस चलाने वाली कंपनी ही उसमें ईंधन, वेतन, रखरखाव का खर्च निकालेगी। अगले साल तक 50 फीसद इलेक्ट्रिक बसें बेस्ट की योजना के

बेस्ट जल्द ही 900 इलेक्ट्रिक डबल डेकर एसी बसें भी खरीदने जा रही है

अनुसार, मार्च 2023 तक 50 फीसद बसें इलेक्ट्रिक करनी हैं और 2025 तक शत प्रतिशत बसें इलेक्ट्रिक होंगी। इनमें से 1400 सिंगल डेकर एसी, 400 मिडि एसी और 100 मिनी एसी बसें होंगी। बेस्ट के अनुसार, प्रति लाख यात्री पर 60 बसें होनी चाहिए। पूर्व मुंबई मनपा आयुक्त प्रवीण परदेसी ने जब बेस्ट को आर्थिक मदद दी थी, तब कुछ सुधार की शर्तें रखी थीं। इसमें किराया घटाने की भी एक शर्त थी। बेस्ट की बसों में देशभर की सबसे सस्ती किराया दरें हैं। यात्री ₹5 में सामान्य और ₹6 में एसी बस में यात्रा कर सकते हैं। पर्यावरण सुधारने के लिए बेस्ट को केंद्र की ओर राज्य से भी आर्थिक मदद मिलने की संभावना है।

भाजपा झोपड़पट्टी मोर्चा ने महापौर को सौंपा ज्ञापनः अतिक्रमण कार्रवाई में भेदभाव किया जा रहा

नागपुर। महानगरपालिका के प्रवर्तन विभाग की ओर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में भेदभाव किए जाने का भाजपा झोपड़पट्टी मोर्चा ने आरोप लगाया है। शहर उपाध्यक्ष दिलीप गौर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने महापौर से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा। महापौर के साथ चर्चा में बताया गया कि, बाबादीप नगर के नाले किनारे की दुकानों को बुलडोजर चलाकर तबाह किया गया। वही आशी नगर जोन में कामठी रोड पर मगदूम रेस्टारेंट से चार खंबा चौक, चांभार नाला से रानी दुर्गावती चौक तक सड़क पर अतिक्रमण के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती। अतिक्रमण विभाग पर कार्रवाई में भेदभाव करने का आरोप लगाकर सभी के साथ समान न्याय करने की मांग की गई है।

निर्माणाधीन मॉल का स्लैब गिरने से 5 की मौत, पीएम ने जताया दुख

पुणे। शहर के शास्त्रीनगर इलाके में गुरुवार देर रात एक निर्माणाधीन मॉल का स्लैब गिरने से 5 मजदूरों की मौत हो गई और 5 अन्य घायल हो गए। ये जानकारी शुक्रवार को अधिकारियों ने दी। पुलिस के मुताबिक रात करीब 11 बजे गुरुवार को यरवदा हिस्से में मॉल साइट के बेसमेंट स्तर पर कंक्रीट स्लैब के निर्माण के लिए स्टील की छड़ों का एक जाल अचानक टूट गया। पुलिस उपायुक्त रोहिदास पवार ने पुष्टि की है कि स्टील और कंक्रीट के वजन से 5 श्रमिक फंस गए और 5 अन्य घायल हो गए और उन्हें ससून अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मेरे जीवन में अहंकार

जब हम अहंकार के बारे में बात करते हैं तो मूल रूप से हम व्यक्तिगत पहचान की भावना या आत्म-महत्व की भावनाओं की बात कर रहे होते हैं।

हालाँकि, यह अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है कि आप ध्यान दें कि आपका अहंकार आपके निर्णयों को कैसे प्रभावित करता है क्योंकि यह एक नकारात्मक प्रभाव हो सकता है। यदि आप किसी ऐसे समय के बारे में सोच सकते हैं जब आपने कुछ ऐसा किया या कहा जिसके नकारात्मक परिणाम हों, तो यह आपका गुमराह अहंकार था।

अपने अहंकार के बारे में जागरूकता दूसरों के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने के साथ-साथ दूसरों और खुद को प्रबंधित करने की आपकी क्षमता में एक बड़ी भूमिका निभाती है।

अहंकार कैसे नुकसान पहुंचा सकता है?आपका अहंकार आपको वर्तमान क्षण से दूर ले जाता है। अपने पूरे जीवन को अतीत और भविष्य के बारे में सोचते हुए जीने की कल्पना करें, और फिर अंत में यह महसूस करें कि आपके पास जो कुछ भी था वह वर्तमान क्षण था - लेकिन आप अपनी इंद्रियों को पूरी तरह से संलग्न करने और अपने आस-पास की दुनिया का आनंद लेने के लिए अपने सिर में फंस गए थे। अहंकार होने में कुछ भी गलत नहीं है - महत्वपूर्ण महसूस करने में कुछ भी गलत नहीं है - लेकिन अहंकार को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। समस्याएँ तब उत्पन्न होती हैं जब यह आपके निर्णय लेने, आपके मूड को प्रभावित करती है, या यह आपको एक शिकार, एक दलित व्यक्ति में बदल देती है, या यह आपके व्यवहार को सही ठहराने के लिए आपको दूसरों से श्रेष्ठ महसूस कराती है।

अपने अहंकार से दूर जाओ।

सिद्धांत रूप में अपने अहंकार को छोड़ना सीखना बहुत आसान है, लेकिन इस समय अमल करना बहुत मुश्किल हो सकता है।

व्यक्तिगत रूप से कुछ भी न लें।

पहली चीज जो आपको करने की ज़रूरत है वह है चीजों के बारे में कम व्यक्तिगत होना। आप में से कुछ लोग इसे अक्षरश: भी लेते हैं। ऐसा कुछ करने से बचें। आपको अपने साथ शांति से रहना सीखना चाहिए। साथ ही, यह जान लें कि लोग हमेशा वही नहीं कहते जो वे कहते हैं।कभी-कभी वे सिर्फ क्रोधित और परेशान होते हैं इसलिए वे एक निश्चित तरीके से व्यवहार करते हैं। यदि आप इसे व्यक्तिगत रूप से भी लेते हैं, तो आप अंत तक आहत होंगे।

अपनी सभी गलतियों को स्वीकार करें:

अपनी सभी अहंकार समस्याओं पर काम करने का एक शानदार तरीका है अपनी गलतियों को स्वीकार करना। क्या आप जानते हैं कि हर कोई निश्चित समय पर गलत होता है और गलती करना बहुत स्वाभाविक है। लेकिन इसे लेकर जिद्दी और स्वार्थी होना अच्छी बात नहीं है।

मूर्ख दिखने से डरना बंद करें:

अहंकारी लोग सबसे बड़ी गलतियों में से एक मूर्ख दिखने के डर में जी रहे हैं। यह अक्सर गर्व से जुड़ा होता है क्योंकि घमंडी लोग हमेशा खुद को मूर्ख बनाने के लिए इतने चिंतित रहते हैं।

और अगर आपको कुछ समय से ऐसा ही लग रहा है तो तुरंत रुक जाइए।

जानें कि आप सर्वश्रेष्ठ नहीं हैं:

अपनी सीमाओं से अवगत होना बहुत जरूरी है। आपको पता होना चाहिए कि आप हर चीज में सर्वश्रेष्ठ नहीं हैं और ऐसे लोग होंगे जो आपसे बेहतर काम कर सकते हैं। लेकिन यह भी याद रखें कि ऐसा महसूस करने वाले आप शायद अकेले व्यक्ति नहीं हैं।

आपके पास जो छोटी-छोटी चीजें हैं, उनके लिए आभारी रहें:

कल्पना कीजिए कि आपके विश्वविद्यालय के परिणाम आ गए हैं और आपने कक्षा में टॉप किया है। जाहिर है पढ़ाई और मेहनत आदि के लिए आपको बहुत श्रेय दिया जाएगा।

लेकिन यह भी याद रखें कि कोई और भी है जो आपके जैसा ही मेहनती है लेकिन आपकी स्थिति में खड़ा नहीं है।

अहंकार एक बदमाशी की तरह है। आप चाहें तो इसे शक्तिहीन बना सकते हैं।

आहार में कर लें बस यह एक बदलाव, हृदय रोग और कैंसर जैसी समस्याएं रहेंगी दूर

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक शरीर को स्वस्थ और फिट बनाए रखने में आहार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हम जिस तरह की चीजों का सेवन करते हैं शरीर पर उसका सीधा असर होता है। यही कारण है कि सभी लोगों को पौष्टिक और स्वस्थ आहार के अधिक से अधिक सेवन की सलाह दी जाती है।

हाल के वर्षों में लोगों में कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के मामले तेजी से बढ़ते हुए देखे गए हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि यदि अकेले हम अपने आहार में ही सुधार कर लें तो कई सारी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से आसानी से बचाव किया जा सकता है। हरी पत्तेदार सब्जियों को आहार में शामिल करना आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

पत्तेदार हरी सब्जियां वर्षों से स्वस्थ आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं।

ये विटामिन, खनिज और फाइबर से भरी हुई होती हैं, ऐसे में शरीर के लिए इनका सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। हरे पत्तेदार साग और सब्जियों से भरपूर आहार खाने से मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और मानसिक स्वास्थ्य की समस्या के जोखिम को कम करने सहित कई तरह के लाभ मिल सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

हरी पत्तेदार सब्जियों और साग का सेवन करना मानसिक स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इसमें भी पालक का सेवन करना विशेष लाभदायक माना जाता है। पालक में आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, फोलिक एसिड और कैल्शियम सहित कई विटामिन और पोषक तत्व होते हैं। साल 2016 में अध्ययनों की समीक्षा से पता चलता है कि पालक अल्जाइमर रोग को बढ़ने से रोकने में मदद कर सकता है। इसमें कैरोटेनॉयड्स भी होते हैं, जिसे आंखों की बीमारियों को रोकने और आंखों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मददगार माना जाता है।

कैंसर का खतरा होगा कम

हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन कैंसर जैसे रोगों के विकास को कम करने में सहायक माना जाता है, इसके लिए पत्तागोभी सबसे लाभदायक विकल्प हो सकता है। पत्तागोभी में सल्फोराफेन होता है, यह यौगिक कैंसर के जोखिम को कम कर सकता है। साल 2019 के एक अध्ययन से पता चलता है कि

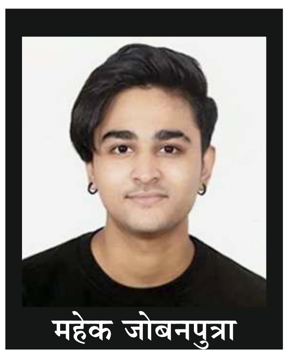

सल्फोराफेन, स्तन कैंसर के जोखिम को कम कर सकता है। यह कैंसर के इलाज के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली रेडिएशन थेरपी के दौरान कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव क्षति से भी बचाने में भी सहायक है।

हृदय रोगों का खतरा होता है कम

हरी पत्तेदार साग, वसा में कम और डाइट्री फाइबर में उच्च होते हैं। इसके अलावा इसमें फोलिक एसिड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन सी और फाइटोकेमिकल्स भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि प्रतिदिन हरी पत्तेदार चीजों को आहार में शामिल करके हृदय रोग के जोखिम को 11 फीसदी तक कम किया जा सकता है।

सावधान, ऐसी आदतें बन सकती हैं कैंसर का कारण, अभी से हो जाएं अलर्ट वरना बढ़ जाएगी मुसीबत

कैंसर का खतरा पिछले दो-तीन दशकों में काफी तेजी से बढ़ता हुआ देखा गया है। नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2030 तक प्रतिवर्ष कैंसर के नए मामलों की संख्या बढ़कर 23.6 मिलियन (23.6 लाख) से अधिक हो सकती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को कैंसर से बचाव के उपाय करते रहने की सलाह देते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि जीवनशैली और आहार की गड़बड़ आदतों के चलते लोगों में कैंसर का खतरा पहले से कहीं अधिक हो गया है। हम रोजाना जाने-अनजाने कई ऐसी चीजें करते रहते हैं जो हमारे लिए इस घातक रोग के जोखिम को बढ़ा सकती है। कैंसर के बढ़ते खतरे के बारे में लोगों को अलर्ट करने और इससे बचाव को लेकर जागरूकता फैलाने को लेकर हर साल 4 फरवरी को 'विश्व कैंसर दिवस' मनाया जाता है।

आइए आगे की स्लाइडों में उन खराब आदतों के बारे में जानते हैं जिन्हें कैंसर के जोखिम को बढ़ावा देने वाला माना जाता है। इससे तुरंत दूरी बना लेनी चाहिए।

ज्यादा तनाव लेना है खतरनाक

नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के अनुसार वैसे तो तनाव, सीधे तौर पर कैंसर का कारण नहीं बनती है, हालांकि इसके कारण शरीर की प्रतिक्रिया- जैसे कि रक्तचाप और हृदय गति में वृद्धि और ब्लड शुगर का बढ़ना, कैंसर के जोखिमों को बढ़ा सकता है। हाल के वर्षों में, तनाव और कैंसर के बीच संबंधों को लेकर अध्ययन किया गया, जिसमें वैज्ञानिकों ने पाया कि तनाव ग्रस्त लोग धूम्रपान या शराब पीने जैसी कई ऐसी आदतों के शिकार हो जाते हैं, जिससे कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

ज्यादा देर बैठे रहने की आदत

साल 2014 में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के जर्नल में प्रकाशित समीक्षा में जर्मन वैज्ञानिकों ने पाया कि ज्यादा देर बैठे रहने की आदत भी कैंसर का खतरा बढ़ा सकती है। वैज्ञानिकों ने पाया कि ज्यादा देर बैठे रहने वाले लोगों में पेट के कैंसर, एंडोमेट्रियल कैंसर और फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। यही कारण है कि लोगों को थोड़ी-थोड़ी देर पर उठकर वॉक करने की सलाह दी जाती है।

पर्याप्त मात्रा में पानी न पीना

दिन भर में खूब पानी पीने से आपके शरीर में सब कुछ ठीक से काम करता रहता है। पानी पीना सिर्फ शरीर के हाइड्रेशन के लिए ही नहीं कैंसर के खतरे को कम करने के लिए भी आवश्यक है। क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, ज्यादा पानी पीने से पेशाब के माध्यम से हानिकारक पदार्थों बाहर निकल जाते हैं, जिससे मूत्राशय के कैंसर का खतरा कम हो सकता है। इसलिए सभी लोगों को रोजाना 3-4 लीटर पानी जरूर पीना चाहिए।

शराब और धूम्रपान

कैंसर के खतरों में शराब और धूम्रपान को स्वास्थ्य विशेषज्ञ सबसे गंभीर मानते हैं। शराब और धूम्रपान की लत के शिकार लोगों में कई तरह के कैंसर के विकास का जोखिम अधिक होता है। अमेरिकन कैंसर सोसाइटी के अनुसार, अधिक शराब पीने से गले, लिवर, कोलन और स्तन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। शराब की एक छोटी सी मात्रा भी आपके दिमाग के लिए नुकसानदायक मानी जाती है।

वैज्ञानिकों की चेतावनी-छींक से निकली छोटी सी बूंद भी बन सकती है संक्रमण का कारण, जानिए कब पीक पर होता है वायरल लोड?

दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में इस समय कोरोना का प्रकोप जारी है। भारत के संदर्भ में बात करें तो यहां आई अब तक कोरोना की तीन लहरों ने बुनियादी स्वास्थ्य ढांचे के लिए बड़ी चुनौतियां पेश की हैं। कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट के कारण देश संक्रमण की तीसरी लहर झेल रहा है। संक्रमण की शुरुआत से ही बताया जा रहा है कि संक्रमित व्यक्ति के छीकने-खांसने से निकलने की बूंदों के संपर्क में आने से दूसरे लोगों को संक्रमण हो सकता है। पर क्या आप जानते हैं कि ड्रॉपलेट की एक छोटी से बूंद भी संक्रमण फैलाने के लिए काफी है?

यूके में किए गए एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि संक्रमित व्यक्ति की छींक से निकलने वाली छोटी से भी ड्रॉपलेट संक्रमण का कारण बन सकती है। यह दुनिया का पहला ऐसा अध्ययन है जिसमें पहली बार संक्रमण की चपेट में आने से लेकर शरीर से वायरस के पूरी तरह से खत्म हो जाने तक की गतिविधियों पर नजर रखी गई है। इस तरह के खतरे को देखते हुए अध्ययन के आधार पर वैज्ञानिकों ने सभी लोगों को बचाव के लगातार उपाय करते रहने की सलाह दी है। आइए इस अध्ययन के बारे में आगे विस्तार से जानते हैं। छोटी सी ड्रॉपलेट भी संक्रमण के लिए काफी कोरोना की संक्रामकता जानने के लिए वैज्ञानिकों ने उन लोगों पर अध्ययन किया जिन्हें जान-बूझकर वैक्सीन की केवल एक ही डोज दी गई थी। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि वैक्सीनेशन के बाद भी अगर आप संक्रमित हो जाते हैं, तो छींकने-खांसने से निकलने वाली छोटी सी भी ड्रॉपलेट, आसपास के लोगों में संक्रमण का कारण बन सकती है। वैज्ञानिकों ने पाया कि संक्रमण की शुरुआत सबसे पहले गले से होती है। संक्रमण में लगभग पांचवें दिन तक वायरस नाक में काफी अधिक मात्रा में बढ़ जाता है, ऐसे में पांचवें दिन तक संक्रमित से अन्य लोगों में संक्रमण का खतरा काफी अधिक हो जाता है। क्या कहते हैं अध्ययनकर्ता? यह अध्ययन लंदन के रॉयल फ्री हॉस्पिटल में किया गया, जिसका निष्कर्ष नेचर प्री-प्रिंट सर्वर पर प्रकाशित किया गया है। अध्ययन की समीक्षा की जानी बाकी है। इंपीरियल कॉलेज लंदन के प्रोफेसर और परीक्षण के प्रमुख जांचकर्ता क्रिस्टोफर चिउ कहते हैं, अध्ययन के लिए वालेंटियर्स को वैक्सीन की केवल एक ही डोज की गई थी। 36 में से 16 लोगों को हल्के से मध्यम स्तर के लक्षणों जैसे बहती नाक, छींक आने और गले में खराश की शिकायत थी। कुछ ने सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, थकान और बुखार का अनुभव किया। किसी में भी गंभीर लक्षण नहीं थे। संक्रमण के पांचवे-छठे दिन पीक पर होता है वायरल लोड प्रोफेसर क्रिस्टोफर चिउ बताते हैं, संक्रमण के पांचवे-छठे दिन लिए गए स्वैब सैंपल में वायरल लोड पहले दिन की तुलना में अधिक पाई गई।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मेष राशि के जातक के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। इस सप्ताह आपके और स्वजन के स्वास्थ्य से लेकर रिश्तों तक में सुधार देखने को मिलेगा। इस राशि के युवक-युवतियों के विवाह की बात बनने वाली है। पुराने और लंबे समय से अटके हुए कार्यो को गति देने के प्रयास करें, सफल होंगे।

वृषभ : वृषभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाएं प्रदान करने वाला रहेगा। कहीं से अचानक धन का आगमन होगा। पुराना फंसा हुआ पैसा लौट आएगा। संतान पक्ष के कार्य उत्तम तरीके से संपन्न होंगे। प्रेम संबंधों और दांपत्य सुख प्राप्त होगा। प्रेम संबंध विवाह में भी बदल सकते हैं।

मिथुन : आपका यह सप्ताह पारिवारिक और सामाजिक मेल मिलाप में बीतने वाला है। घर-परिवार में मांगलिक प्रसंग आएंगे। नया कार्य-व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए समय उत्तम है। पुराने कार्यो में विस्तार करने का भी यही सही समय है। साझेदारी में किए गए कार्यो से लाभ प्राप्त होगा। नौकरी में जिम्मेदारियों में बदलाव होने का समय है।

कर्क : इस सप्ताह अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें। यदि शरीर के भीतर कुछ गड़बड़ महसूस करें तो तुरंत डाक्टर से सलाह लें। अस्थमा, श्वसन संबंधी रोगों वाले व्यक्ति सतर्क रहें। ठंडी चीजों के खानपान से बचें। युवाओं को अपने प्रेम में पारदर्शिता रखनी होगी। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए दूसरों का सहयोग लेना पड़ेगा।

सिंह : यह सप्ताह आपको नई संभावनाओं की ओर ले जाएगा। जो काम लंबे समय से करना चाह रहे हैं, वह इस सप्ताह करने में सक्षम होंगे। नौकरीपेशा लोगों को कार्य के सिलसिले में यात्राएं करनी पड़ेंगी। कार्य में परिवर्तन करने का भी सही समय है। जिनके पास अब तक कोई नौकरी नहीं है उन्हें ऑफर आ सकता है।

कन्या : आपके लिए यह सप्ताह उलझनों से भरा रह सकता है। कार्य अटकने से मन में खिन्नता रहेगी। शारीरिक रूप से भी थोड़ा नरम-गरम रह सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अधिक मेहनत का रहेगा। इस राशि के नौकरीपेशा लोगों को तरक्की करने के कई अवसर मिलेंगे, बस आपको सही अवसर को पहचानना है।

तुला : यह सप्ताह भागदौड़ वाला रहेगा। अपने काम और निजी जीवन में तालमेल बैठाना मुश्किल होगा। इस कारण कुछ लोग आपसे नाराज भी हो सकते हैं। दांपत्य जीवन में परेशानियां बढ़ने वाली हैं। कार्यस्थल पर भी विवादित स्थिति बन सकती है। अपने वरिष्ठों से अनबन होने के कारण नौकरी पर संकट आ सकता है।

वृश्चिक : इस सप्ताह आपको अपनी वाणी के कारण हानि उठाना पड़ सकती है। व्यावसायिक और निजी जीवन में आपको सभी के साथ तालमेल बनाकर चलना होगा। किसी को बुरा-भला या किसी के बारे में अपशब्द कहेंगे तो मुसीबत में खुद ही फंस जाएंगे। साझेदारी में चल रहे बिजनेस में विवाद के बाद घाटे की स्थिति बनेगी।

धनु : इस सप्ताह धनु राशि के जातकों के भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होने वाली है। पारिवारिक जीवन में यदि किसी प्रकार का विवाद चल रहा है तो उसका निपटारा होगा। खासकर भाई-बहनों से संबंधों में सुधार आएगा। दूसरों की मदद करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस राशि की महिलाओं को इस सप्ताह कोई उपहार मिल सकता है।

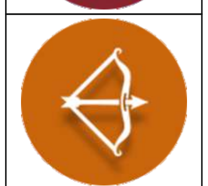

मकर : इस सप्ताह काम की भागदौड़ अधिक रहने वाली है। इसका विपरीत असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। लंबे समय से अटके हुए कार्यो को पूरा करने का प्रयास करें, सफलता मिलेगी। सप्ताह आर्थिक लाभ देने वाला है। पुराने निवेश से लाभ मिलेगा। संपत्ति खरीदी-बिक्री के कार्य से लाभ होगा। नया प्रेम संबंध प्राप्त होने का योग बन रहा है।

कुंभ : यह सप्ताह आपके लिए अति उत्तम और शुभ साबित होने वाला है। जिस काम में हाथ डालेंगे उसे पूरा करेंगे और उससे लाभ अर्जित कर पाएंगे। भूमि, भवन, संपत्ति खरीदने के योग बनेंगे। कारोबारियों को अपने बिजनेस के विस्तार में पैसा लगाना पड़ेगा। नौकरीपेशा लोगों को उन्नति मिलेगी। जीवनसाथी से चल रहा मनमुटाव दूर होगा।

मीन : यह सप्ताह रिश्तों के लिए सबसे उत्तम रहेगा। पुराने बिगड़े हुए रिश्तों में सुधार आएगा और कुछ नए रिश्ते भी बनेंगे। परिवार में माता-पिता, भाई-बहन, संतान, जीवनसाथी के साथ किसी खास मुद्दे पर चर्चा होगी। संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। इस सप्ताह स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरपूर रहेंगे।

चुटकुले

सर्दियों का सबसे बड़ा धर्मसंकट-
रात को रजाई ओढ़कर लेटे हो और तय नहीं कर पा रहे हो
कि पानी पीने के लिए उठूं या नहीं।

सोनू: यार मैं जो भी काम करता हूं, मेरी बीवी बीच में आ जाती है। मोनू: तू ट्रक चलाकर देख, शायद कुछ काम बन जाए।

गोलू बाल कटवाने गया।
बाल काटने वाला: बाल छोटे करने हैं?
गोलू: क्यों, बड़े भी हो सकते हैं क्या?

CISCE का फर्स्ट टर्म बोर्ड एग्जाम रिजल्ट 7 फरवरी को आएगा

काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (CISCE) ने ICSE और ISC के फर्स्ट टर्म बोर्ड एग्जाम के रिजल्ट की डेट अनाउंस कर दी है। बोर्ड के चीफ एक्जीक्यूटिव गैरी आर्टथून के मुताबिक, फर्स्ट टर्म के रिजल्ट 7 फरवरी को घोषित किए जाएंगे। स्टूडेंट्स क्लास-10 और क्लास-12 के रिजल्ट 7 फरवरी को सुबह 10 बजे के बाद बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट cisce.org पर जाकर चेक कर सकते हैं।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की, यूक्रेन संकट गहराने की आशंका

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शुक्रवार को अचानक बीजिंग पहुंचे। यहां उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। दुनिया की दो महाशक्तियों के इस मिलन से यूक्रेन संकट और गहरा सकता है। पुतिन अभी यूक्रेन के मुद्दे पर अमेरिका और नाटो देशों से टकरा रहे हैं। वहीं, जिनपिंग दो साल में पहली बार किसी देश के राष्ट्रपति से रूबरू मिले हैं। इससे दोनों देशों के संबंध और गहरे होंगे।
उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन चीन और रूस दोनों देशों से रणनीतिक संबंधों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। पुतिन यहां विंटर ओलिंपिक्स 2022 के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। पुतिन ने यूक्रेन सीमा पर एक लाख सैनिक तैनात कर दिए हैं। अमेरिका के मुताबिक यह यूक्रेन पर आक्रमण की तैयारी हो सकती है। रूस ने आरोप लगाया है कि अमेरिका पूर्वी यूरोप में अपनी सैन्य टुकड़ियां तैनात कर आक्रमण का खतरा और तनाव बढ़ा रहा है।

ओवैसी के काफिले पर हमले के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई, अब मिलेगी जेड कैटेगरी सिक्योरिटी

उत्तर प्रदेश के हापुड़ में गुरुवार शाम AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी के काफिले पर हमले के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। गृह मंत्रालय की तरफ से उन्हें CRPF की जेड कैटेगरी सिक्योरिटी दी जाएगी। पिछली शाम हमलावरों ने उनकी गाड़ी पर चार राउंड फायर किए। दो बुलेट लगने से ओवैसी की कार के निचले हिस्से में छेद हो गया। पुलिस ने हमला करने वाले दोनों युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

नामांकन से पहले शिव की शरण में पहुंचे योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को गोरखपुर में अपना पर्चा भरेंगे। वे पहली बार गोरखपुर में शहर सीट से विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। नामांकन से पहले सीएम योगी ने गोरक्षनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की। रुद्राभिषेक कर भगवान शिव से जीत की कामना की। BJP के प्रदेश पदाधिकारियों ने गोरखपुर में डेरा डाल लिया है। गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय शिक्षा मंत्री, पार्टी के प्रदेश चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह जनसभा को संबोधित करेंगे।

उत्तराखंड में PM मोदी की वर्चुअल चुनाव रैली रद्द; खराब मौसम बनी वजह

खराब मौसम की वजह से PM मोदी की उत्तराखंड में होने वाली वर्चुअल चुनाव रैली रद्द कर दी गई है। शुक्रवार को होने वाली रैली में प्रधानमंत्री अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चंपावत जिलों के मतदाताओं को संबोधित करने वाले थे। उत्तराखंड BJP के मुताबिक, इस रैली के आयोजन के लिए बाद में तारीख घोषित की जाएगी। प्रधानमंत्री 6 फरवरी को पौड़ी संसदीय क्षेत्र, 8 फरवरी को टिहरी संसदीय क्षेत्र, 10 को हरिद्वार और 12 फरवरी को नैनीताल-ऊधमसिंह नगर संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं को वर्चुअली संबोधित करेंगे।

तिब्बत के छात्रों ने बीजिंग विंटर ओलिंपिक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

बीजिंग में होने वाले विंटर ओलिंपिक के खिलाफ स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ तिब्बत(SFT) के छात्र भी विरोध में अब खुलकर सामने आ रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में गुरुवार को इन छात्रों ने ओलिंपिक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। SFT के छात्र तेनजिन पासांग ने बताया कि हम तिब्बत के अलावा चीन के कब्जे वाले सभी देशों में सभी राजनीतिक बंदियों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। बता दें कि 4 फरवरी से चीन की राजधानी बीजिंग में शुरू होने जा रहे विंटर ओलंपिक गेम्स का भारत ने बायकॉट करने का फैसला किया है। यह निर्णय भारत सरकार द्वारा सैन्य झड़प में जख्मी जवान को चीन की ओर से विंटर ओलंपिक मशाल थमाए जाने के बाद लिया गया है।

पुणे में निर्माणाधीन इमारत का स्लैब गिरा, 7 की मौत; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

पुणे में निर्माणाधीन इमारत के बेसमेंट का स्लैब गिरने से 7 मजदूरों की मौत हो गई है। हादसे में 3 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, घायलों का इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। मलबे में फंसे लोगों को बचाने की कोशिश जारी है।

अहमदाबाद की 66 साल पुरानी एच.बी. कापडिया स्कूल बंद करने की प्रक्रिया शुरू, वर्तमान में यहां 2200 छात्र पढ़ाई कर रहे

शहरों में अब इंग्लिश मीडियम स्कूलों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। क्योंकि, अधिकांश अभिभावक भी अपने बच्चों को गुजराती के बजाय इंग्लिश मीडियम में पढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। इसका असर गुजराती मीडियम स्कूलों में साफ दिखाई देने लगा है। इसी के चलते अहमदाबाद में पिछले 66 सालों से चल रहे एच.बी. कापडिया हाई स्कूल को बंद करने के लिए शिक्षा विभाग को आवेदन दिया गया है। स्कूल बंद करने का फैसला शिक्षा बोर्ड अगले महीने में लेगा। योग्यता के आधार पर मिलता है एडमिशन

शाहीबाग इलाके में स्थित एचबी कापडिया हाई स्कूल 1956 में खुला था। इस स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों के बोर्ड का रिजल्ट भी कई सालों से ए ग्रेड आ रहा है। स्कूल के अच्छे रिजल्ट के चलते बड़ी संख्या में अभिभावक यहां अपने बच्चों को प्रवेश दिलवाने का प्रयास करते हैं। क्योंकि यहां छात्रों को योग्यता के आधार पर ही एडमिशन दिया जाता है। स्कूल में फिलहाल 2200 से अधिक छात्र यहां पढ़ाई कर रहे हैं।
दो महीने पहले स्कूल बंद करने का आवेदन दिया गया पिछले 66 साल से बहुत अच्छे से चल रहे

स्कूल को बंद करने के लिए स्कूल प्रशासन की ओर से 2 महीने पहले शिक्षा विभाग को आवेदन दिया गया था, जो अब गांधीनगर स्थित गुजरात माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के कार्यालय में पहुंचा है। हालांकि, स्कूल बंद करने का फैसला गुजरात माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कार्यकारिणी में ही तय होगा। सूत्रों के मुताबिक आवेदन पर इसी महीने के अंदर फैसला ले लिया जाएगा।
स्कूल बंद करने की वजह साफ नहीं
स्कूल बंद करवाने के फैसले के बारे में स्कूल संचालक मुक्तक कापडीया से बात की गई तो उन्होंने ग्रांटेड स्कूल होने के चलते गुणवत्ता और अकाउंट का हवाला देते हुए आवेदन देने की बात कुबूल की। इस तरह स्कूल बंद करवाने की सही वजह अब तक साफ नहीं हो सकी है।
90% आवेदन इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलने के लिए आते हैं
अहमदाबाद शहर की बात करें तो यहां करीब 1500 स्कूल हैं, जिनमें से 550 इंग्लिश मीडियम के हैं। जबकि करीब 700 स्कूल गुजराती और 150 हिंदी मीडियम के हैं। वर्तमान हालात की बात करें तो अब नए स्कूल के लिए 90% आवेदन अंग्रेजी मीडियम के लिए ही होते हैं। हैरानी की बात यह है कि पिछले तीन वर्षों में गुजराती मीडियम स्कूल खोलने के लिए एक भी आवेदन नहीं आया। स्कूल शुरू करने के लिए हर साल लगभग 30 से 40 आवेदन प्राप्त होते हैं। इनमें से 3 से 4 ही नियमानुसार स्वीकृत किए जाते हैं।

जूनागढ़ में हनीट्रेप-अज्ञात महिला को लिफ्ट देने वाले युवक को हनीट्रेप में फंसाया, अपहरण कर तीन लाख रुपए मांगे; तीनों गिरफ्तार

जूनागढ़ जिले में एक युवक को महिला सहित तीन लोगों ने हनीट्रेप में फंसाकर फिरौती की मांग करने पर पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर अपहृत युवक को मुक्त कराया है। हनीट्रेप के इस मामले में पकड़ी गई महिला पहले भी हनीट्रेप केस में संलिप्त होने का खुलासा पुलिस की ओर से किया गया है। जिले के भेंसाण तालुका के धोलवा गांव में रहकर खेती काम करने वाले भावेश रामजी बोरड (35) बीति दिन जूनागढ़ की ओर अपनी बाइक पर सवार होकर जा रहे थे तभी रास्ते में भेंसाण चौकड़ी के पास अज्ञात महिला ने लिफ्ट मांगी तो वह बाइक पर बैठा रहा था। तभी दो लोग बाइक पर वहां पहुंचे और अपने आप को एलसीबी पुलिस की पहचान बताते हुए महिला के बारे में पूछताछ किया। इसके बाद भावेश को अपनी बाइक पर बैठाकर उसका अपहरण कर लिया।

HC ने लगायी गुजरात सरकार की फटकार, कहा- मुआवजा दे कोई उपकार नहीं कर रहे हैं

अहमदाबाद, गुजरात में कोरोना से मारे गए लोगों को मुआवजा देने के मामले में उच्चतम न्यायालय ने एक बार फिर गुजरात सरकार को फटकार लगाते हुए कहा है कि कल्याणकारी राज्य महामारी में मारे गए लोगों पर उपकार नहीं कर रहे हैं।
राज्य सरकार गुजरात में कोरोना संक्रमण से 10580 के करीब लोगों की ही पुष्टि करती है लेकिन कोरोना से जिन परिवारों में मौत हुई है ऐसे करीब 1 लाख परिवार मुआवजे का दावा कर रहे हैं। उच्चतम न्यायालय ने सरकार से पूछा है कि आप कोरोना से मारे गए लोगों के नाम, मौत की तारीख तथा उनके पते की सूची तैयार कर अदालत में पेश करें। गुजरात सरकार ने इससे पहले अदालत को बताया था कि सरकार कोरोना में मारे गए लोगों के परिजनों को 50-50 हजार का मुआवजा दे रही है। अदालत ने इस पर कहा कि कल्याणकारी राज्य में सरकार महामारी में मारे गए लोगों के परिजनों को मुआवजा देकर कोई

उपकार नहीं कर रही है यह उसकी जिम्मेदारी है। अदालत ने सरकार से कहा है कि राज्य में मारे गए लोगों के आंकड़ों को उलझाए नहीं। सरकार इससे पहले करुणा से मारे गए लोगों की संख्या को लेकर अदालत के समक्ष अलग-अलग विरोधाभासी आंकड़े पेश कर चुकी है। अदालत नहीं डेथ आफ काज में बताए गए कारणों पर भी सवाल उठाए। अदालत ने सरकार को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कोरोना संक्रमित होने के कुछ माह के भीतर व्यक्ति की अगर मौत हो जाती है तथा वह अन्य किसी गंभीर बीमारी से भी पीड़ित है तो भी उसकी मृत्यु के कारणों में कोरोना का उल्लेख किया जाए। सरकार लंबे समय तक मृत्यु प्रमाण पत्र में कोरोना से मारे जाने का उल्लेख करने से बच रही थी। यही वजह थी कि सरकार को रोना से मारे गए लोगों की संख्या को लेकर लगातार अलग-अलग आंकड़े बताती रही लेकिन जब मुआवजे के लिए आवेदन पत्र मांगे गए तो गुजरात में हजारों की संख्या में लोगों ने एक साथ आवेदन किए।
सरकार ने इसके बाद कुछ समय तक आवेदन पत्र लेना बंद कर दिया। सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामले में लगातार सरकार पर दबाव बनता जा रहा है। सरकार का कहना है कि राज्य में अभी तक हजारों परिवारों को कोरोना से मौत को लेकर मुआवजे का भुगतान किया जा चुका है। अदालत के ताजा निर्देश के बाद राज्य में कोरोना से मारे गए लोगों की संख्या और अधिक आने की संभावना है।

गुजरात कांग्रेस में काला जादू को लेकर बवाल

अहमदाबाद, गुजरात में विधानसभा चुनाव अभी करीब दस महीने दूर हैं, लेकिन कांग्रेस में पद व टिकट को लेकर चल रही कलह काला जादू तक पहुंच गई है। वायरल हो रहे आडियो में कांग्रेस के दलित विधायक व मनपा में नेता विपक्ष को काला जादू से खत्म कराने की चर्चा सामने आने के बाद से पार्टी में हंगामा मचा हुआ है।
गत दिनों इंटरनेट मीडिया पर वायरल आडियो क्लिप में अहमदाबाद महानगर पालिका (मनपा) में नेता विपक्ष नहीं बनाने से नाराज पार्षद जमना वेगडा की किसी नेता से बात हो रही है। इसमें अहमदाबाद के ही दलित विधायक शैलेश परमार तथा मनपा में नेता विपक्ष शहजाद खान पठान को काला

जादू से खत्म कराने की बात हो रही है। हमीदा नामक महिला की भी चर्चा है जो जादू टोना करती है। इसलिए मचा हंगामा वायरल आडियो पर हंगामे को देखते हुए गांधीनगर विधायक सीजे चावडा को जांच के लिए प्रभारी बनाया गया है। चावडा का कहना है कि जमना वेगडा कई दशक से राजनीति में सक्रिय हैं। उनके नाम से आडियो वायरल कर किसी ने उनके राजनीतिक कैरियर को खत्म करने की साजिश रची है। वेगडा ने अपनी आवाज होने से इन्कार करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। कारण बताओ नोटिस जारी गुजरात में अंधविश्वास तथा जादू टोने के खिलाफ जागकता का काम करने वाली संस्था विज्ञान जाथा के अध्यक्ष जयंत पंड्या जब इस मामले को लेकर राजकोट के धोराजी में हमीदा नामक महिला के घर पहुंचे तो वे यहां से गायब मिली।
वडोदरा में कांग्रेस के टिकट पर महानगर पालिका का चुनाव लड़ चुके भाविक अमीन ने अपनी ही पार्टी के वरिष्ठ नेता मौलिन वैष्णव के खिलाफ इंटरनेट मीडिया में पोस्ट कर कहा कि जब तक वैष्णव रहेंगे। यहां भाजपा सत्ता में रहेगी।

गुजरात के धंधुका में युवक की हत्या के मामले में तीन और गिरफ्तार

अहमदाबाद, गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते ने किशन भरवाड हत्या मामले में तीन आरोपितों को और गिरफ्तार किया है। इनमें से एक ने आरोपितों को धंधुका में खाना व आर्थिक मदद दी थी, जबकि दो पर पोरबंदर के साजन ओडेदरा की हत्या के प्रयास का आरोप है। गुजरात एटीएस के सहायक पुलिस आयुक्त बीएच चावडा ने बताया कि गत 25 जनवरी को शब्बीर व इम्तियाज ने अहमदाबाद जिले के धंधुका में किशन भरवाड की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस्लाम के खिलाफ इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करने को लेकर भरवाड की हत्या की गई। साजिश में शामिल अहमदाबाद व दिल्ली के दो मौलवी भी पकड़े जा चुके हैं। एटीएस ने राजकोट के रमीज सेता,पोरबंदर के मोहम्मद हुसैन खत्री व धंधुका के मतीन मोदान को बुधवार को गिरफ्तार किया। मतीन मोदान ने ही धंधुका में शब्बीर को खाना व आठ हजार रुपये नकद उपलब्ध कराए थे। जबकि दो आरोपित पोरबंदर के साजन ओडेदरा की हत्या के प्रयास की साजिश से जुड़े हैं।

चिट फंड कंपनी-सूरत में कंपनी किट देने के बहाने 120 रुपए का सामान देकर ग्राहकों से वसूल रही थी 2600 से 3000 रुपए, 64 लाख रुपए ठगे

सूरत के लिंबायत में अलग-अलग नाम से बीसी और फिक्स डिपोजिट स्कीम चलाकर 12 लोगों से 64 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। ठग पिता, तीन बेटे और एक पुत्रवधु के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार अमरोली-कोसाड रोड पर रहने वाले वेंकटेश हनुमान बोगा कतारगाम जीआईडीसी में नौकरी करते हैं। उन्हें पता चला था कि परवत गांव की चंद्रलोक सोसाइटी में रहने वाले सादुला नरसैया चंद्रैया, शेखर सादुला चंद्रैया, लक्ष्मण सादुला चंद्रैया, शेखर सादुला चंद्रैया और शेखर की पत्नी सपना अलग-अलग नाम से बीसी और फिक्स डिपॉजिट स्कीम चलाते हैं।
वेंकटेश ने एक साथ बड़ी रकम मिलने पर काम आएगी, यही सोचकर बीसी में निवेश किया था। इसके बाद आरोपियों ने फिक्स डिपॉजिट योजना भी चालू की थी। आरोपी जय भवानी, श्री शिरडी सांईबाबा सहकार सोसाइटी, जय भवानी कृपा फिक्स डिपोजिट के नाम से स्कीम चला रहे थे। वेंकटेश ने 1.45 लाख रुपए का निवेश किया था। अवधि खत्म होने के बाद भी वेंकटेश को रुपए वापस नहीं मिले। वेंकटेश के अलावा प्रसाद जोगु ने 3.50 लाख, प्रकाश चिद्राला ने 6 लाख, रविकुमार पामुना 38.35लाख, मेहुल ताटीपामुला एक लाख, उपेंद्र सामाला 2.50 लाख, श्री निवास ताटीपामुला 3.75 लाख, रवि शेट्टी 3 लाख, संदीप आडीगोपपुरा ने 83 हजार और वन्नाला जब्बैया ने 36 हजार रुपए निवेश किया था। आरोपियों ने निवेशकों को एक भी रुपया नहीं लौटाया। वेंकटेश बोगा ने सादुला, मुरली, लक्ष्मण, शेखर और सपना के खिलाफ लिंबायत थाने में ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। सभी आरोपी फरार हैं। लिंबायत पुलिस शिकायत दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। तीन एफआईआर दर्ज आरई गोल्ड

कंपनी के खिलाफ डिंडोली थाने में तीन एफआईआर दर्ज हुए हैं। वहीं, अलग-अलग थानों में 10 से अधिक शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। आरई गोल्ड कंपनी के संचालकों ने लाेगों को निवेश का झांसा देकर करोड़ों रुपए की ठगी की है। कंपनी की ओर से निवेश करने वालों को गिफ्ट दिए जाते थे। कंपनी गिफ्ट के लिए जो प्रोडक्ट मंगवाती थी उससे 200 गुना ज्यादा पैसे लोगों से वसूलती थी। कंपनी किट के बहाने 120 रुपए का सामान देकर 2600 से 3000 रुपए वसूल रही थी। डिंडोली पुलिस कंपनी द्वारा की गई ठगी की बारीकी से जांच कर रही है। ठगी के शिकार कुछ लोगों ने वकीलों के जरिए थाने में आवेदन देकर कंपनी के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की है।
तीन महीने में तीन गुना रिटर्न देने का झांसा कंपनी एजेंटों के जरिए शहरभर में ठगी का मायाजाल फैला रखी थी। कंपनी में 130 ग्राहकों को जोड़ने वाले एजेंटों को 80 हजार रुपए तक चुकाने का वादा किया था।
इसके अलावा निवेशकों को तीन महीने में तीन गुना रिटर्न देने का झांसा भी दिया जा रहा था। निवेश की अवधि पूरी होने के बाद लोग अपने पैसे वापस लेने गए तो कंपनी के संचालक फरार हो गए। कंपनी द्वारा ग्राहकों को दिए गए प्रोडक्टों की जांच की गई तो पता चला कि सस्ता सामान महंगे दामों पर देकर लोगों को गुमराह किया जा रहा था। लोगों से कंपनी में निवेश करवाने वाले एजेंट भी अब फंसते नजर आ रहे हैं। जल्द ही एजेंटों पर भी कार्रवाई होगी। बता दें, कंपनी के बंद होते ही अधिकांश एजेंट शहर छोड़कर भाग गए हैं।
धोखा: कंपनी ने 3 महीने में 80 हजार चुकाने का वादा किया था
डिंडोली थाने में एफआईआर दर्ज करवाने वाले पीड़ित ने बताया कि कंपनी ने निवेश करने पर 3 महीने में 80 हजार रुपए चुकाने का वादा किया था। अवधि बीतने के बाद मैं कंपनी के ऑफिस में पैसे लेने गया तो संचालक आनाकानी करने लगे। पैसे के लिए मैं बार-बार चक्कर लगाता रहा। कंपनी में रुपए जमा करवाने वाले दूसरे लोग भी परेशान थे। कंपनी के संचालक अचानक ऑफिस बंद कर फरार हो गए। अब लोगों के करोड़ों रुपए फंसे हुए हैं। कंपनी में काम करने वाले एजेंट भी नजर नहीं आ रहे हैं।
कंपनी सामानों का प्रिंट बदल उसे अपना प्रोडक्ट बताती थी
कंपनी द्वारा प्रदेश के अलग-अलग शहरों और दूसरे राज्यों से सस्ते सामान मंगाए जाते थे। इन प्रोडक्टों की कीमत 50 से 100 रुपए होती थी। कंपनी प्रिंट बदलकर सामानों में अपने नाम से नई रेट लिस्ट चस्पाती थी और इसे 2400 से 2600 रुपए में बेच रही थी। आरई गोल्ड कंपनी अधिकांश सामानों को खुद का प्रोडक्ट बताती थी। कंपनी द्वारा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड से सस्ते सामान मंगाए जाते थे। वहीं, शहर के कतारगाम से भी कुछसामान मंगवाकर बेचने की बात सामने आ रही है।

शारजाह में फ्रेंडशिप कप यूएई के लिए खेलेंगे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट महापुरुष

"कुछ स्थानों पर अभी भी कुछ यात्रा प्रतिबंध लागू होने के कारण टूर्नामेंट के प्रतिभागियों के लिए इस समय के दौरान दुनिया भर में मौजूदा कोविड की स्थिति के कारण यात्रा करना मुश्किल है, इसलिए फ्रेंडशिप कप यूएई की आयोजन समिति ने इस आयोजन को 5 वें, 6 वें और 7 वें दिन के लिए स्थगित कर दिया है। मार्च 2022," अरबा स्पोर्ट्स सर्विस एलएलसी के सीईओ और प्रबंध निदेशक असलम गुरुक्कल ने घोषणा की। शारजाह को दुनिया भर में क्रिकेट के मक्का के रूप में जाना जाता है जहां क्रिकेट जगत के अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों ने विभिन्न टूर्नामेंटों में भाग लिया है। इसके पास सबसे अधिक एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच आयोजित करने का विश्व रिकॉर्ड है। अब, शारजाह फ्रेंडशिप कप यूएई की मेजबानी करेगा जिसमें चार टीमें होंगी जिनमें बॉलीवुड के रंग के साथ क्रिकेट की दुनिया के महान दिग्गज शामिल होंगे। चार टीमों में से एक बॉलीवुड किंग्स है जिसका नेतृत्व बॉलीवुड स्टार सुनील शेट्टी कर रहे हैं और इसमें सोहेल खान, आफताब शिवदासानी शामिल हैं और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटरों की अतिरिक्त अग्नि शक्ति के साथ सलिल अंकोला और श्रीसंत जैसे अभिनेता बने हैं। दूसरी टीम इंडिया लीजेंड्स है जिसमें मोहम्मद कैफ, मुनाफ पटेल, अजय जडेजा जैसे महान खिलाड़ी शामिल हैं और मोहम्मद अजहरुद्दीन के नेतृत्व में अन्य दिग्गज भारतीय क्रिकेटर हैं। पाकिस्तान लीजेंड्स टीम में इमरान नज़ीर जैसे विश्व स्तरीय खिलाड़ी शामिल हैं जो यूसुफ योहाना, मोहम्मद यूसुफ, सलमान बट और इरफान खान जैसे अन्य महान खिलाड़ियों का नेतृत्व करेंगे।

चौथी टीम अजंता मेंडिस की अगुवाई वाली वर्ल्ड लीजेंड्स 11 है और इसमें इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के अन्य क्रिकेट दिग्गजों के साथ-साथ दिलशान तिलकरत्ने जैसे श्रीलंकाई खिलाड़ी शामिल हैं।

शारजाह संयुक्त अरब अमीरात के अमीरात में से एक है। संयुक्त अरब अमीरात जिसे 200 से अधिक देशों के राष्ट्रवादी होने का गौरव प्राप्त है। "यूएई को दुनिया के दूसरे घर के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि कई धर्मों, क्षेत्रों और राष्ट्रीयताओं के लोग इस देश में एक परिवार की तरह रहते हैं जो दुनिया को मानवता, भाईचारे और प्यार का संदेश देता है," अमीन पठान, अध्यक्ष ने उल्लेख किया एआरबीए खेल सेवाएं। "इस लोकाचार को प्रतिध्वनित करते हुए और दोस्ती और भाईचारे की भावना को एक पायदान आगे ले जाने के उद्देश्य से, अरबा स्पोर्ट्स सर्विसेज एलएलसी फ्रेंडशिप कप यूएई प्रस्तुत करता है। जहां दर्शक इन महान लोगों की यादों को पुनर्जीवित करेंगे, वहीं उभरते क्रिकेटरों को बहुत प्रेरणा मिलेगी। और इस टूर्नामेंट में क्रिकेट के महान खिलाड़ियों को देखकर बहुत कुछ सीखते हैं," उन्होंने आगे घोषणा की। नौफ़ल क़ुदरान ने कहा, "अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नियमों और विनियमों के अनुपालन में शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में 5 से 7 मार्च 2022 तक टी -10 प्रारूप में सात क्रिकेट मैच खेले जाएंगे। सभी मैचों का सीधा प्रसारण सोनी 6 टेलीविजन चैनल पर किया जाएगा।" एआरबीए स्पोर्ट्स सर्विसेज के संचालन निदेशक।

टूर्नामेंट शेख फैसल बिन खालिद अल कासिमी के संरक्षण में आयोजित किया जाएगा और यह दुबई पुलिस की सुरक्षा राजदूत परिषद के सहयोग से मैचों की मेजबानी करेगा।

बीजिंग ओलंपिक के बहिष्कार में शामिल हुआ भारत, अमेरिकी सीनेट के चेयरमैन ने की सराहना

चार से 20 फरवरी के बीच बीजिंग में आयोजित होने वाले शीतकालीन ओलंपिक का भारत ने बहिष्कार कर दिया है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे देशों के बाद भारत ने बीजिंग ओलंपिक के बहिष्कार का समर्थन किया है। चीन की चाइना कम्यूनिस्ट पार्टी ने मानवाधिकारों का उल्लंघन करते हुए हांग कांग, तिब्बत और अपनी उइगर आबादी की शोषण किया है। साथ ही शीतकालीन ओलंपिक के जरिए चीन अपनी छवि सुधारना चाह रहा है। इसी के विराध में अमेरिका सहित कई देश ओलंपिक का बहिष्कार कर रहे हैं।

अमेरिका के द्वारा शुरू की गई इस मुहिम में भारत के शामिल होने के बाद अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति के चेयरमैन ने भारत की सराहना की है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा "मैं बीजिंग ओलंपिक के राजनयिक बहिष्कार में शामिल होने के लिए भारत की सराहना करता हूं। हम उन सभी देशों के साथ खड़े हैं जो सीसीपी के जघन्य मानवाधिकारों के हनन और ओलंपिक 2022 को राजनीतिक जीत में बदलने के प्रयास को खारिज करते हैं।"

भारत से पहले बहिष्कार में शामिल हो चुके हैं कई देश

अमेरिका ने सबसे पहले शीतकालीन ओलंपिक के राजनयिक बहिष्कार की घोषणा की थी। इसके बाद से अब तक ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, एस्टोनिया, जापान, कोसोवो, लातविया, लिथुआनिया, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, स्वीडन और ब्रिटेन जैसे देशों ने आंशिक रूप से या पूरी तरह से इस बहिष्कार को समर्थन दिया है। अमेरिका के नेतृत्व वाले इस बहिष्कार को कम करने के लिए चीन ने कड़ी मेहनत की है। अब भारत भी इन देशों के साथ शामिल हो चुका है।

इन मामलों पर हो रहा है चीन का विरोध

चीन अपनी उइगर आबादी के साथ कठोर व्यवहार, हांगकांग में बढ़ती अधीनता, तिब्बत के दमन, दक्षिण चीन सागर में अवैध क्षेत्रीय दावों और ताइवान के खिलाफ जबरदस्ती के मामले पर दुनिया भर में तीखी प्रतिक्रिया का सामना कर रहा है। चीन के शिनजियांग में दस लाख से अधिक मुसलमानों को यातना शिविरों में कैद किया गया। पिछले साल लगभग 700,000 तिब्बती किसानों और खानाबदोशों के साथ जबरदस्ती हुई। तिब्बतियों को जबरन विचार परिवर्तन, घुसपैठ निगरानी, राजनीतिक पुन: शिक्षा, सैन्य-शैली के अधीन किया गया। इन सभी मामलों पर दुनियाभर में चीन का विरोध हो रहा है।

लेवर कप में फिर उतरेगी फेडरर और नडाल की जोड़ी, सात महीने बाद कोर्ट में उतरेंगे फेडरर

स्विट्जरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर और स्पेन के राफेल नडाल ने सितंबर में होने वाले लेवर कप में भाग लेने का ऐलान किया है। दोनों दिग्गज टेनिस खिलाड़ी ने कहा है कि वे लेवर कप टेनिस टूर्नामेंट के अगले चरण में खेलेंगे। फेडरर घुटने की चोट के कारण जुलाई से टेनिस से बाहर हैं जबकि नडाल ने हाल में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में रिकॉर्ड 21वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीता है।

फेडरर और नडाल ने एक बयान में कहा कि वे लंदन में होने वाले टूर्नामेंट में टीम यूरोप का प्रतिनिधित्व करेंगे। फेडरर की मैनेजमेंट कंपनी ने यह प्रतियोगिता शुरू की थी। फेडरर ने कहा कि नडाल ने पिछले साल उन्हें संदेश में सुझाव दिया था कि वे फिर से लेवर कप में एक साथ डबल्स खेल सकते हैं। 2017 में पहले लेवर कप के दौरान दोनों ने जोड़ी बनाते हुए युगल मुकाबला जीता था। नडाल ने कहा, "अगर हम एक बार फिर से कोर्ट पर युगल जोड़ी के तौर पर उतरने में सक्षम होते हैं तो यह हमारे कॅरिअर के इस चरण पर हम दोनों के लिये सही में विशेष अनुभव होगा।"

जनरल नरवणे के बयान पर पाकिस्तानी सेना आगबबूला, कहा- सीजफायर पर दिया बयान भ्रामक

इस्लामाबाद, भारतीय सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के सीजफायर को लेकर दिए बयान पर पाकिस्तानी सेना भड़क उठी है। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान जारी करके कहा है कि नियंत्रण रेखा पर सीजफायर की व्यवस्था को लेकर भारतीय सेना का खुद मजबूत स्थिति में बताने का दावा भ्रामक है। भारत और पाकिस्तान की सेना के बीच नियंत्रण रेखा पर गतवर्ष फरवरी महीने से तोपें और बंदूकें शांत हैं। इससे पहले गुरुवार को भारतीय सेना प्रमुख ने पाकिस्तान को कड़े संकेत देते हुए कहा था कि नियंत्रण रेखा पर सीजफायर इसलिए बना हुआ है क्योंकि भारत ने खुद को मजबूत स्थिति में रखकर बाचतीत किया। जनरल नरवणे के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तानी सेना ने एक बयान जारी करके कहा कि भारतीय सेना प्रमुख का बयान पूरी तरह से भ्रामक है। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि सीजफायर इसलिए सहमति बनी क्योंकि पाकिस्तान एलओसी के दोनों ओर रह रहे लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंतित था।

गलत अर्थ नहीं लगाए भारतीय सेना:

पाकिस्तान पाकिस्तानी सेना ने कहा कि किसी भी पक्ष को इसको अपनी ताकत और दूसरे की कमजोरी के रूप में गलत अर्थ नहीं लगाना चाहिए। इससे पहले गुरुवार को जनरल नरवणे ने यह भी कहा कि भारत अलग तरह की, कठिन तथा बहु-स्तरीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। एमएम नरवणे ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तरी सीमा पर घटनाक्रम ने पूरी तरह से तैयार और सक्षम बलों की जरूरत को रेखांकित किया है। चीन और पाकिस्तान का नाम लिए बिना सेना प्रमुख ने कहा कि परमाणु-सक्षम पड़ोसियों के साथ सीमा विवाद, साथ ही राज्य प्रायोजित प्रॉक्सी वॉर (Proxy War) ने सुरक्षा तंत्र एवं संसाधनों के सामने चुनौतियां बढ़ा दी हैं। हमें भविष्य के लिए तैयार रहना होगा- सेना प्रमुख सेना प्रमुख ने कहा कि हम अभी भविष्य के संघर्षों की झलकियां देख रहे हैं। सूचना के क्षेत्र, नेटवर्क और साइबर स्पेस में भी हमें इसके सबूत दिखाई दे रहे हैं। विवादित सीमाओं पर भी ये सब दिखाई दे रहा है। इन झलकियों के आधार पर हमें भविष्य के लिए तैयार होना होगा। यदि आप आस-पास देखेंगे, तो आपको आज की वास्तविकता का एहसास होगा। नरवणे ने कहा कि उत्तरी सीमा पर ताजा घटनाक्रम देश की संप्रभुता एवं अखंडता को बनाए रखने के लिए आधुनिक तकनीक वाले साजो-सामान से लैस सक्षम बलों की जरूरत को रेखांकित करते हैं।

UAE पर हूती विद्रोहियों का हमला भारतीय परिवारों के लिए बना त्रासदी, अभी भी खौफ बरकरार

अबू धाबी: संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी में पिछले महीने यमन के हौती विद्रोहियों की ओर से किए गए हमलों के कारण भारतीय भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। भारतीय मूल के ट्रक चालक रामजन रथ ने उस हादसे को याद करते हुए कहा पहले तो विस्फोट की आवाज सुनाई दी और कुछ पलों के लिए सब कुछ बिखर गया। इसके बाद उन्होंने देखा कि उनके पैरों में भी आग लगी हुई है। रामजन ईंधन से भरा ट्रक चलाते हैं। उन्होंने ड्रोन हमले वाले दिन को याद करते हुए कहा कि उनके सामने ही उनका ट्रक पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। रामजन ने मुसाफाह में भारतीय कैंटीन के पास एसोसिएटेड प्रेस से बातचीत के दौरान यह बात कही। यह हमला औद्योगिक शहर अबू धाबी में एक सरकारी तंय संयंत्र के पास हुआ था। रामजन को पैर में चोट आई थी और उनका कहना है कि वह अभी भी उस हादसे को

याद कर सहम जाते हैं। 'भारत हर संभव सहायता मुहैया कराएगा' इस हमले में रामजन घायल हो गए थे जबकि हरदीप सिंह (29) नामक एक अन्य ट्रक चालक की मौत हो गयी। हरदीप की हाल ही में कुछ महीने पहले शादी हुई थी। बता दें कि यूएई में भारत के राजदूत संजय सुधीर ने कहा था कि अबू धाबी के हवाई अड्डे के पास संदिग्ध हूती ड्रोन हमले में मारे गए दो भारतीयों के परिवार को भारत हर संभव सहायता मुहैया कराएगा। यमन के हूती विद्रोहियों ने हमले की जिम्मेदारी ली थी जिसमें दो भारतीय, एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए थे। विस्फोट 'छोटी-छोटी उड़ने वाली वस्तुओं' (संभवत: ड्रोन) के संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में तीन पेट्रोलियम टैंकर पर गिरने से हुआ। संजय सुधीर ने सोमवार को 'द नेशनल' समाचारपत्र से बात करते हुए कहा कि भारत सरकार दो मृत भारतीय नागरिकों के परिवारों को 'जो भी सहायता संभव होगी' मुहैया कराएगा।

पार्क में अचानक से दिखा 186 किलो का गोल्ड क्यूब, फटी की फटी रह गईं आंखें

न्यूयॉर्क, अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के सेंट्रल पार्क में घूमने पहुंचे लोग उस समय हैरान रह गए जब अचानक से उन्हें विशाल सोने का क्यूब दिखाई दिया। यह क्यूब 186 किलो वजनी है और 24 कैरेट सोने से बनाया गया है। इस क्यूब की कीमत भारतीय रुपये में करीब 87 करोड़ रुपये होगी। इसे सेंट्रल पार्क के बीच में रखा गय था। इस क्यूब का डिजाइन जर्मन कलाकार निकलस कास्टेलो ने किया है। इतना महंगा होने के बाद भी यह क्यूब बेचने के लिए नहीं है। इतना कीमती होने की वजह से इस क्यूब की सुरक्षा के लिए अपनी एक टीम है।

कास्टेलो ने कहा, 'यह क्यूब अपने सभी पहलुओं में एक कल्पना आधारित काम है।' उन्होंने कहा कि इस क्यूब को बनाने के पीछे मकसद यह था कि कुछ ऐसा बनाया जाए जो हमारी दुनिया के बाहर का हो जिसे छू नहीं सके। इस क्यूब के साथ एक क्रिप्टोकरंसी को भी जारी किया गया।

क्यूब को बनाने के लिए एक विशेष भट्ठी बनाई गई

इस क्रिप्टोकरंसी को कास्टेलो कॉइन नाम दिया गया है और इसे ऑनलाइन खरीदा जा सकता है। 21 फरवरी को एक एनएफटी नीलामी भी होनी है। इस क्यूब को इस तरह से देखा जा रहा है जैसे यह क्रिप्टो करंसी पर आधारित 21 वीं सदी के सांस्कृतिक इको सिस्टम और प्राचीन दुनिया के सोने के राज के बारे में आधिकारिक सूचना हो। इस क्यूब को बनाने के लिए एक विशेष भट्ठी बनाई गई थी ताकि इतने विशाल पैमाने पर सोने को संभाला जा सके। इस सोने को पिघलाने के लिए बहुत ज्यादा तापमान की जरूरत होती है और पारा 1100 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। पूरा बॉक्स चारों ही ओर से डेढ़ फुट का है।

इस क्यूब को बाद में वॉल स्ट्रीट ले जाया जाएगा ताकि उसे प्राइवेट डिनर में पेश किया जा सके। माना जा रहा है कि इस डिनर में कई नामचीन लोग हिस्सा ले सकते हैं। कास्टेलो का जन्म साल 1978 में पूर्वी जर्मनी में हुआ था और वह वर्तमान समय में न्यूयॉर्क और स्विटरजरलैंड में रहते हैं।

नीरो' बने पाकिस्तानी राष्ट्रपति, बलूच बहा रहे सेना का खून, आरिफ अल्वी खेल रहे थे गेम

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बलूच विद्रोही पिछले कई घंटे से पाकिस्तानी सेना का जमकर खून बहा रहे हैं। बलूचों का दावा है कि इस भीषण हमले में 100 सैनिक मारे गए हैं, वहीं पाकिस्तानी सेना ने भी माना है कि अभी जंग जारी है और आधिकारिक ऐलान के मुताबिक उसके 7 जवान शहीद हुए हैं। एक तरफ जहां पाकिस्तानी सैनिक जंग में मारे जा रहे हैं, वहीं पाकिस्तान के तीनों सेनाओं के सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति आरिफ अल्वी Wordle ऑनलाइन गेम खेल रहे थेपाकिस्तानी

राष्ट्रपति ने ट्वीट करके खुद ही बताया कि वह Wordle खेल रहे थे और उन्होंने बहुत अच्छा स्कोर किया है। बलूचों के हमले के बीच किए गए ट्वीट पर आरिफ अल्वी को जब पाकिस्तानी लोगों ने घेरना शुरू किया तो उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने अपना ट्वीट डिलीट कर दिया। इस शर्मनाक हरकत के कारण आरिफ अल्वी सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल हो रहे हैं। दरअसल, Wordle एक नया ऑनलाइन गेम है, जो आपकी शब्दावली यानी की वोकैबुलरी का टेस्ट करने के लिए बनाया गया है। उधर, बलूचों विद्रोहियों के हमलों से बौखलाई पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि बलूच विद्रोहियों के आका अफगानिस्तान और भारत में बैठे हुए हैं।

फिल्म राज के 20 साल हुए पूरे बिपाशा को याद आए पुराने दिन

बिपाशा बसु की फिल्म राज को बॉलीवुड में दो दशक हो गए हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री ने फिल्म के बारे में कुछ दिलचस्प किस्से साझा किए। फिल्म में बिपाशा ने एक ऐसी महिला की भूमिका निभाई थी, जो भूतों से घिरी है। विक्रम भट्ट निर्देशित फिल्म 2002 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। उन्होंने कहा कि हम फिल्म के लिए ऊटी में शूटिंग कर रहे थे और हमारे पास शूट करने के लिए बहुत सारे रात के दृश्य थे। जबकि वास्तविक स्थान एक सुंदर बंगला था, आसपास का माहौल ठंडा, मंद रोशनी वाला था। इस बारे में बात करते हुए कि फिल्म की कास्ट और क्रू किस तरह से शूटिंग में और अधिक रोमांच लाएगी, उन्होंने कहा कि रात में, सरोज खान, आशुतोष राणा और विक्रम भट्ट सहित हर कोई, सबसे डरावनी भूत की कहानियों को सुनाता था, जो उन्होंने अनुभव की हैं। यह काफी पागलपन भरा था और इससे डरने का मेरा काम थोड़ा आसान हो गया। डिनो मोरिया और आशुतोष राणा के सह-कलाकार, अलौकिक हॉरर फिल्म का सह-निर्माण विशेष फिल्म्स और टिप्स इंडस्ट्रीज द्वारा किया गया था।

प्रतीक बब्बर का 2022 में काफी टाइट वर्क शेड्यूल होने वाला है

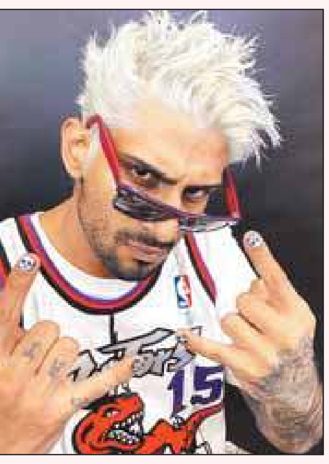

हिक्प्स और हुकअप के बड़े पैमाने पर सफल होने के बाद प्रतीक बब्बर के प्रशंसक और अधिक उत्साहित है! दर्शकों के बीच उनकी आगामी परियोजनाओं के बारे में अधिक जानने और उन्हें पर्दे पर वापस देखने के लिए सभी बेसब्र है। अब खबर आ रही है कि अपरंपरागत अभिनेता के पास आने वाले वर्ष के लिए एक व्यस्त कैलेंडर है। उद्योग जगत की चर्चा है कि प्रतीक बब्बर कई परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। एक सूत्र ने खुलासा किया, अभिनेता के पास एक बहुत ही व्यस्त कैलेंडर है। अभी, वह चल रहे शूटिंग और प्रचार में व्यस्त है और एक साथ कई चीजों को जोड़ रहे है। प्रतीक बब्बर तापसी पन्नू और प्रतीक गांधी के साथ वो लड़की है कहां की शूटिंग कर रहे हैं। इस बीच, वह फोर मोर शॉट्स प्लीज़ के तीसरे सीज़न और मधुर भंडारकर की इंडिया लॉकडाउन के लिए पैचवर्क पर भी काम कर रहे हैं। कथित तौर पर, प्रतीक बब्बर जल्द ही बच्चन पांडे के लिए प्रचार शुरू करेंगे। अक्षय कुमार के साथ अभिनीत यह फिल्म 18 मार्च को रिलीज होने वाली है। और सभी का उत्साह बढ़ाते हुए लायंसगेट प्ले ने हुकअप्स एं ड हिक्प्स के दूसरे सीज़न की घोषणा की है। एक सूत्र ने खुलासा किया, प्रतीक बब्बर पहले की जबरदस्त सफलता के बाद हुकअप्स एंड हिक्प्स सीजन 2 के लिए क मर कस रहे हैं। अभिनेता जल्द ही इसकी शूटिंग भी शुरू कर सकते हैं।

रिहाना रैपर रॉकी के साथ पहले बच्चे का स्वागत करने के लिए तैयार है

लॉस एंजिल्स। डायमंड्स गायिका रिहाना गर्भवती है और रैपर रॉकी के साथ अपने पहले बच्चे के स्वागत के लिए तैयार है। पीपुल डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, इस जोड़े को सप्ताहांत में न्यूयॉर्क शहर में देखा गया, जहां रिहाना ने गुलाबी रंग की लंबी जैकेट पहनकर अपना बेबी बंप दिखाया। एक तस्वीर में रॉकी रिहाना के माथे पर किस करते हुए नजर आ रहे है। जब रॉकी से पूछा गया कि किसी रिश्ते में रहना कैसा लगता है, तो उन्होंने कहा, बहुत बेहतर, जब आपको द वन मिल जाए। पितृत्व के संबंध में, 33 वर्षीय रॉकी ने कहा कि एक परिवार शुरू करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मुझे लगता है कि मैं एक अविश्वसनीय, उल्लेखनीय रूप से समग्र अद्भुत पिता बनूंगा। मेरे पास एक बहुत ही मजेदार, शैतान बच्चा होगा। एक सूत्र ने नवंबर 2020 में पुष्टि की थी कि रिहाना और रॉकी डेटिंग कर रहे है।

क्रॉप्ड बिकिनी में मालविका मोहनन ने फ्लॉन्ट की टोन्ड बॉडी

बियॉन्ड द क्लाउड्स से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली साउथ एक्ट्रेस मालविका मोहनन अपने खास स्टाइल और फैशन सेंस को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। उनके चाहने वालों को बोल्ड और बिंदास अंदाज बहुत ज्यादा पसंद है। हाल ही में उनके उनके हॉट एंड हॉट बिकिनी लुक की काफी चर्चा हो रही थी। पिछले हफ्ते मालीदव में हॉलीडे एंजॉय कर लौटीं मालविका ने हाल ही में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में वह क्रॉप्ड बिकिनी में दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने व्हाइट शर्ट कैरी की है। वह कातिलाना अंदाज में पोज दे रही हैं। उनकी इस तस्वीरों ने इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है। उनकी यह तस्वीरें इसलिए भी खास हैं क्योंकि इसमें उनका उनका फिगर कमाल का दिख रहा है। उनका यह बोल्ड अंदाज फैंस को खूब पसंद भी आ रहा है। मालविका के इस अंदाज ने सोशल मीडिया पर खलबली मचा दी है।

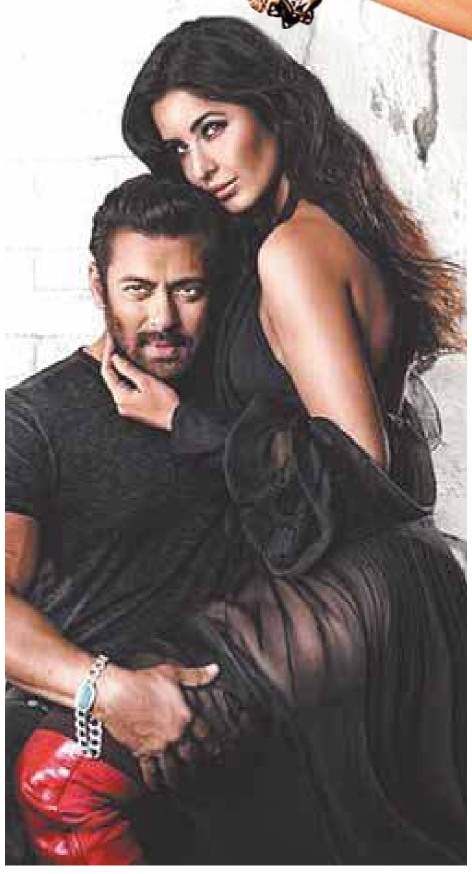

दिल्ली में शूटिंग करेंगे सलमान-कैट

हाल में ही सलमान खान ने अपनी लेटेस्ट तस्वीर शेयर की जिसमें उनकी कमाल की बॉडी देखने को मिली है। बताया जा रहा है कि सलमान खान कटरीना कैफ टाइगर 3 की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। अभिनेता सलमान खान का शो बिग बॉस 15 खत्म हो चुका है। इसके बाद वह अपनी फिल्मों की तैयारियों में जुट चुके हैं। हाल में ही सलमान खान ने अपनी लेटेस्ट तस्वीर शेयर की जिसमें उनकी कमाल की बॉडी दर्शकों को खूब अट्रैक्ट कर रही है। इसी के साथ खबरें सामने आ रही हैं कि सलमान खान वेलेंटाइन डे पर अपनी आने वाली फिल्म टाइगर 3 की शूटिंग फिर से शुरू कर सकते हैं। टाइगर 3 की ऐक्ट्रेस कटरीना कैफ भी सलमान खान के साथ इस फिल्म की शूटिंग रिज्यूम करेंगी। बताया जा रहा है कि 5 फरवरी से सलमान खान मुंबई के यशराज फिल्म्स स्टूडियो में टाइगर 3 की शूटिंग फिर से शुरू करेंगे। स्टूडियो का काम को निपटाने के बाद सलमान खान और कटरीना कैफ दिल्ली जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि सलमान-कटरीना 14 फरवरी से नई दिल्ली में फिल्म के आखिरी बड़े आउटडोर शेड्यूल को पूरा करेंगे। टाइगर 3 की शूटिंग जनवरी में पूरी की जानी थी लेकिन कोरोना के चलते मेकर्स ने इसे टाल दिया था। ट्विटर पर टाइगर 3 हैशटैग ट्रेंड हो रहा है जिसपर फैंस ने सलमान खान की शर्टलेस तस्वीरों को शेयर किया है। भाईजान की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। ऐक्टर के इस पोस्ट को फैंस खूब री-ट्वीट कर रहे हैं। क्यास लगाए जा रहे हैं कि टाइगर 3 में सलमान खान का अब तक का सबसे दमदार अंदाज और चार्म बॉडी देखने को मिलेगी। देश भर में ओमिक्रोन की लहर कम होती दिख रही है। ऐसे में एक बार फिर बॉलिवुड फिल्मों की रिलीज डेट का ऐलान किया जा रहा है तो वहीं बड़े पैमाने पर शूटिंग की तैयारी चल रही है। हाल में ही अमिताभ बच्चन की झुंड, संजय लीला भंसाली की गंगूबाई काठियावाड़ी, कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 2 जैसी फिल्मों की रिलीज डेट का ऐलान किया गया।

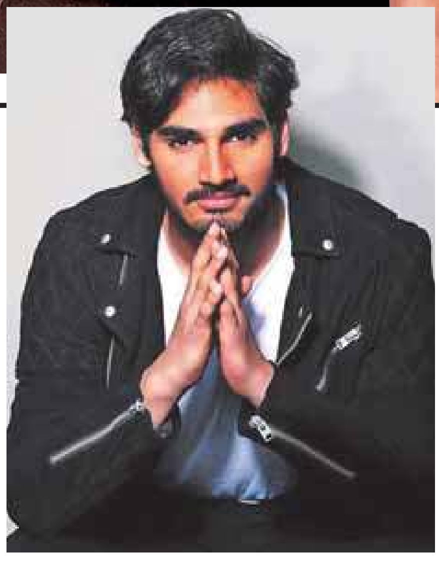

पिता सुनील शेट्टी की धड़कन के रीमेक में काम करना चाहते हैं अहान

अभिनेता अहान शेट्टी का कहना है कि वह अपने पिता सुनील शेट्टी की धड़कन और बॉर्डर जैसी फिल्मों के रीमेक में काम करना चाहेंगे। धड़कन 2000 में रिलीज हुई थी। रोमांटिक ड्रामा फिल्म में शिल्पा शेट्टी और अक्षय कुमार भी हैं। यह फिल्म वुथरिंग हाइट्स उपन्यास से प्रेरित थी। 1997 में रिलीज हुई मेगा हिट बॉर्डर 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौर पर सेट की गई थी। यह वास्तविक जीवन की घटनाओं का एक रूपांतरण है। रीमेक संस्कृति और अपने पिता की एक फिल्म के बारे में बात करते हुए अहान ने बातचीत में कहा कि मुझे बॉर्डर बहुत पसंद है इसलिए मुझे लगता है कि बॉर्डर रीमेक बनने और इसका हिस्सा बनने के लिए एक शानदार फिल्म होगी। मुझे लगता है कि धड़कन का हिस्सा बनना भी दिलचस्प होगा। अहान ने पिछले साल तड़प के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की थी। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने आगे क्या योजना बनाई है, अहान ने कहा कि कुछ दिलचस्प चीजें हैं जिनकी हमने योजना बनाई है। एक महीने के भीतर एक घोषणा होगी, इसके अलावा मैं कह सकता हूं कि साजिद नाडियाडवाला के साथ मेरा चार फिल्मों का अनुबंध है। इसलिए मैं उनके साथ दोबारा काम करूंगा।

मांग में सिंदूर और चेहरे पर काला चश्मा लगाए मुंबई में स्पॉट हुईं मौनी

एक्ट्रेस मौनी रॉय बॉयफ्रेंड सूरज नांबियार संग शादी के बाद खूब सुर्खियों में बनी हुई हैं। गोवा में दो रीति रिवाजों से शादी के बाद एक्ट्रेस पति संग मुंबई वापस लौट आई हैं। वहां से लौटते हुए कपल को पहली बार स्टाइलिश अंदाज में एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था, जहां मौनी ने अपने रेड साड़ी लुक से खूब लाइमलाइट चुराई थी। वहीं अब एक बार फिर न्यूली वेड एक्ट्रेस का मुंबई में स्पॉट किया गया, जहां वो अपने खूबसूरत लुक से लोगों का ध्यान खींचती नजर आईं। अब उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो मौनी रॉय इस दौरान पिंक फ्लोरल शरारा सूट में फूल सी खिली दिखाई दीं। इस ड्रेस के साथ उन्होंने मैचिंग दुपट्टे को कैरी किया हुआ है और साथ में पंजाबी जुती पेयर की हुई है।

बिकिनी लुक में वाणी ने ढाया कहर

एक्ट्रेस वाणी कपूर काम के साथ-साथ अपने लुक्स को लेकर भी चर्चा में रहती है। एक्ट्रेस अपने अलग-अलग लुक की तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ भी शेयर करती रहती है। हाल ही में एक्ट्रेस अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किया है, जो आग लगा रहे हैं। तस्वीरों और वीडियो में वाणी व्हाइट बिकिनी और ट्राउजर में नजर आ रही है। इसके साथ एक्ट्रेस ने न्यूड मेकअप किया हुआ है और बालों को खुला छोड़ा हुआ है। इस लुक में एक्ट्रेस बेहद बोल्ड लग रही है। एक्ट्रेस अपने सिक्स पैक एब्स फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। वाणी की इन तस्वीरों और वीडियो ने फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। फैंस इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं।

क्रैकडाउन सीजन 2 में आर्मी ऑफिसर के किरदार में नज़र आएंगी वलूशा

वलूशा डी सूज़ा जल्द ही क्रैकडाउन सीजन 2 में नजर आएंगी हालही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने किरदार का फर्स्ट लुक शेयर किया जिसने उनके फैंस की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। क्रैकडाउन सीजन 1 में वलुशा के दमदार परफॉर्मेंस की सभी ने जमकर तारीफ की थी। आपको बता दें कि वे इस सीरिज में गरिमा कालरा के किरदार में नजर आएंगी जो एक आर्मी ऑफिसर हैं। उनके द्वारा शेयर किया गया फर्स्ट लुक इस बात की ओर इशारा करता है कि वे निश्चित रूप से इस शो में एक दमदार चरित्र चित्रित कर रही हैं। अपनी दमदार परफॉर्मेंस के लिए जानी जानेवाली वलुशा अपनी स्माइल की वजह से भी लाखों दिलों पर राज कर रही हैं। काम की बात करें तो वे बॉलीवुड वाला डांस और फिल्म अंतिम के चिंगारी सॉन्ग में नज़र आई थी। चिंगारी सॉन्ग में उनके जबरदस्त लावणी परफॉर्मेंस के लिए उन्हें खूब सराहा गया था। क्रैकडाउन 2 में उनके फर्स्ट लुक को देख एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ गई है। वे जल्द ही अब्बास मस्तान की पेंटहाउस और एस्केप लाइव में नज़र आएंगी।

कार्तिक के घर आया नन्हा मेहमान

एक्टर कार्तिक आर्यन ने लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। कार्तिक थोड़े समय में ही काफी हिट हो गए हैं। एक्टर सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं। हाल ही में एक्टर के घर नन्हा मेहमान आया है, जिसके साथ कार्तिक ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो खूब पसंद की जा रही हैं। तस्वीरों में कार्तिक छोटे से पपी के साथ नजर आ रहे हैं, जो व्हाइट कलर का है। एक्टर ग्रीन हुडी और ब्लैक जींस में दिखाई दे रहे हैं। कार्तिक ने पपी को हाथ में उठाया है, जो बेहद क्यूट है। एक्टर ने इसका नाम कटोरी आर्यन रखा है। तस्वीरें शेयर करते हुए कार्तिक ने लिखा- कटोरी, मुझे दोबारा प्यार हो गया है। मिलिए, कटोरी आर्यन से। फैंस इन तस्वीरों पर खूब प्यार बरसा रहे हैं।

स्नातक छात्र के लिए इंटर्नशिप एक आदर्श अवसर

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

एक इंटर्नशिप की आधुनिक अवधारणा मध्ययुगीन शिक्षुता से विकसित हुई है।

नौकरी ढूंढना एक चुनौती हो सकती है, खासकर यदि आपके पास अनुभव नहीं है। इंटर्नशिप कॉलेज के छात्रों, के लिए मूल्यवान कार्य अनुभव प्राप्त करने का एक शानदार तरीका है।

इंटर्न द्वारा प्राप्त व्यावहारिक अनुभव अमूल्य है और इसे कक्षा की सेटिंग में प्राप्त नहीं किया जा सकता है, जो इसे इंटर्नशिप के सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक बनाता है। इंटर्न के पास अर्जित ज्ञान को वास्तविक कार्य अनुभवों में लागू करने का अवसर होता है, वे अपने चुने हुए क्षेत्र में रोज़मर्रा की नौकरी के कर्तव्यों का प्रत्यक्ष रूप से सामना करने की उम्मीद कर सकते हैं। एक विशेष क्षेत्र के विशेष कौशल सीखने के अलावा, संचार, टीम वर्क और कंप्यूटर दक्षता जैसे हस्तांतरणीय कौशल भी इंटर्नशिप में प्राप्त किए जाते हैं, स्नातक स्तर पर कार्यबल में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह से इंटर्न तैयार करते हैं।

अन्वेषण करना कॉलेज के अनुभव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और इंटर्नशिप छात्रों के लिए उस क्षेत्र से परिचित होने का एक तरीका है जिसमें वे रुचि रखते हैं। आप इंटर्नशिप के दौरान अपनी ताकत और कमजोरियों के बारे में बहुत कुछ सीख सकते हैं।

एक प्रशिक्षु के रूप में, आप उद्योग में पेशेवरों से घिरे रहेंगे। इंटर्नशिप केवल क्रेडिट अर्जित करने, ग्रेड प्राप्त करने या पैसा कमाने से कहीं अधिक है;

इंटर्नशिप आपके आसपास के लोगों से सीखने, सवाल पूछने और प्रभावित करने का अवसर प्रदान करती है। इंटर्नशिप आपको कामकाजी दुनिया में प्रवेश करने से पहले कक्षा में सीखी गई विशिष्ट तकनीकों का परीक्षण करने की अनुमति देती है। कई कंपनियां अपने भर्ती प्रयासों को बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप का उपयोग करती हैं।

कुछ मामलों में, एक कंपनी असाइनमेंट के अंत में एक इंटर्न को नियुक्त करने का निर्णय ले सकती है। इंटर्नशिप को एक अविभाज्य विशेषता के रूप में शामिल करना तकनीकी योग्यता के उम्मीदवारों के लिए एक आशीर्वाद है।

मुम्बई के मेयर हॉल में 12 फरवरी 2022 को केसीएफ प्रस्तुत तीसरे "बॉलीवुड आइकोनिक एवार्ड 2022" का होगा भव्य आयोजन

मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर डॉ कृष्णा चौहान ने अंधेरी मुम्बई में स्थित फाइव स्टार होटल कोर्टयार्ड मेरिएट होटल में अपनी केसीएफ एंटरटेनमेंट मैगज़ीन का कवर लांच किया साथ ही इस खास मौके पर केसीएफ कैलेंडर का डिजाइन भी लांच किया गया। इस अवसर पर केसीएफ के फाउंडर डॉ कृष्णा चौहान और मोटिवेशनल स्पीकर डॉ परिन सोमानी के अलावा पब्लिसिटी डिज़ाइनर आर राजपाल भी मौजूद थे।डॉ कृष्णा चौहान ने यहां मीडिया से बात करते हुए बताया कि 12 फरवरी 2022 को केसीएफ प्रेजेंट्स तीसरे बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2022 का आयोजन मुम्बई के मेयर हॉल में किया जा रहा है।

और यहीं केसीएफ एंटरटेनमेंट मैगज़ीन लांच की जाएगी साथ ही इस विशेष अवसर पर 12 पेज का शानदार केसीएफ कैलेंडर भी लांच किया जाएगा।डॉ कृष्णा चौहान ने आगे बताया कि इस अवार्ड फंक्शन में तमाम अवार्डी को और आए हुए तमाम मेहमानों को यह मन्थली मैगज़ीन भेंट की जाएगी। सभी उपस्थित लोगों को केसीएफ कैलेंडर भी दिया जाएगा।मोटिवेशमल स्पीकर डॉ परिन सोमानी ने यहां डॉ कृष्णा चौहान का शुक्रिया अदा किया और कहा कि उन्हें बेहद खुशी हो रही है कि मुझे केसीएफ एंटरटेनमेंट मैगज़ीन के कवर पेज पर छापा गया है। डॉ कृष्णा चौहान को उनकी मैगज़ीन और कैलेंडर के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।डॉ कृष्णा चौहान ने 2021 के आखरी दिन एक बड़ा धमाल इवेंट किया। केसीएफ और केसीपी द्वारा 31 दिसम्बर 2021 को मिस एंड मिसेज इंडिया ऑनलाइन बयूटी कांटेस्ट 2021 का आयोजन किया गया। इस ब्यूटी कांटेस्ट के ज्यूरी मेम्बर्स में डॉ परिन सोमानी, आर राजपाल और अविनाश गोयल का नाम उल्लेखनीय है। मिस एंड मिसेज इंडिया ऑनलाइन बयूटी कांटेस्ट 2021 की मिस की विनर हैं मानवी त्रिपाठी, जो यूपी देवरिया की रहने वाली ऐक्ट्रेस हैं। फिलहाल मुम्बई में रहती हैं। वहीं मिसेज का पुरुस्कार फरहा अंजर खान को दिया गया जो दिल्ली की रहने वाली ऐक्ट्रेस व राईटर हैं।डॉ कृष्णा चौहान न सिर्फ एक सफल बॉलीवुड डायरेक्टर हैं, एक्टिव सोशल वर्कर हैं बल्कि अवार्ड्स फंक्शन्स करवाने के मामले में सबसे चर्चित शख्सियत माने जाते हैं। उनका एक अवार्ड फंक्शन सम्पन्न होता है और वह अपने नेक्स्ट पुरुस्कार समारोह की तैयारियों में लग जाते हैं। नए साल 2022 में वह मुम्बई में "बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2022" करवाने जा रहे हैं, जिसकी चर्चा अभी से शुरू हो गई है। केसीएफ द्वारा यह अवार्ड लगातार तीसरे वर्ष आयोजित किया जा रहा है।12 फरवरी 2022 को आयोजित होने वाले इस शानदार अवॉर्ड फंक्शन में बॉलीवुड की कई हस्तियां मौजूद होंगी। लगातार कई घंटे तक चलने वाले इस कार्यक्रम में ऑडिएंस का खूब मनोरंजन भी होने वाला है, कई डांस परफॉर्मेंस भी पेश की जाएगी। इस अवार्ड शो के आयोजक कृष्णा चौहान की प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं है। वह नए साल में नया धमाल मचाने को तय्यार हैं। केसीपी (कृष्णा चौहान प्रोडक्शनस) के अंतर्गत वह नए साल में फ़िल्म भी शुरू करने वाले हैं जिसका सब्जेक्ट यूनिक होगा। आपको बता दें कि बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2022 से सम्मानित होना सबके लिए बड़े गर्व की बात होती है। यह प्रतिष्ठित सम्मान पाकर पुरुस्कृत हस्तियां खुश होती है और कृष्णा चौहान के जज़्बे को सलाम करती हैं। केसीएफ और केसीपी द्वारा प्रस्तुत चर्चित व प्रतिष्ठित " बॉलीवुड आयकोनिक एवार्ड-2022' का मुम्बई में 12 फरवरी को आयोजन होगा। कृष्णा चौहान फाउंडेशन प्रस्तुत इस तीसरे बॉलीवुड आयकोनिक एवॉर्ड फंक्शन में पिछले वर्ष की भांति अगले वर्ष भी बॉलीवुड की कई सेलिब्रिटीज़ तथा मीडिया जगत के दिग्गजों को ये गौरवपूर्ण एवॉर्ड प्रदान किया जाएगा।इस अवसर पर बॉलीवुड की सेलिब्रिटीज़ तथा सोशल वर्क के लिए कई हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा।अपने आप में अनूठे और बेहद खास इस एवार्ड शो के आयोजक बॉलीवुड फ़िल्म निर्देशक कृष्णा चौहान हैं, जो पिछले कई वर्षों से इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं। कृष्णा चौहान फाउंडेशन (केसीएफ) के अंतर्गत कृष्णा चौहान कई एवार्ड्स शो का आयोजन करते आये हैं। केसीएफ के अंतर्गत बॉलीवुड लीजेंड एवॉर्ड, बॉलीवुड आइकोनिक एवॉर्ड, लीजेंड दादासाहेब फाल्के एवॉर्ड और महात्मा गांधी रत्न अवार्ड का आयोजन पिछले कई वर्षों से किया जाता रहा है। 4 मई 2022 को अपने बर्थडे के दिन डॉ कृष्णा चौहान लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2022 का आयोजन करने वाले हैं। 2 अक्टूबर 2022 को महात्मा गांधी रत्ना अवार्ड 2022 और दिसम्बर 2022 में बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड का आयोजन करेंगे।

अक्षय कुमार की फिल्म 'पृथ्वीराज' की स्क्रीनिंग पर रोक लगाने की मांग, जनहित याचिका दायर

लखनऊ, यह जनहित याचिका इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में अधिवक्ता संगीता सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (महिला शाखा) और राष्ट्रीय प्रवक्ता, श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना द्वारा दायर की गई थी। जिसमें अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'पृथ्वीराज' की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की गई है। अर्जी पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने केंद्र सरकार के असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल से पूछा कि क्या फिल्म को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिली है. अदालत ने आदेश दिया है कि मामले को 21 फरवरी के सप्ताह में अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए।

न्यायमूर्ति ए आर मसूदी और न्यायमूर्ति एन. जोहिरी अधिवक्ता संगीता सिंह की याचिका पर जौहरी की खंडपीठ ने यह आदेश पारित किया. याचिकाकर्ता के वकील सतेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि याचिकाकर्ता खुद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और करणी सेना के प्रवक्ता हैं. याचिका फिल्म के शीर्षक में 'सम्राट पृथ्वीराज चौहान' शब्द के बजाय 'पृथ्वीराज' शीर्षक का उपयोग करती है और सम्राट पृथ्वीराज चौहान को गलत तरीके से पेश करने और अपनी रानी को अश्लील पोशाक में दिखाने का मुद्दा उठाती है।

राज शेखावत
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रदेश
अध्यक्ष गुजरात
श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना

साझेदारी-एयरटेल में एक अरब डॉलर तक निवेश करेगा गूगल, भारत में 5G उपयोग को बढ़ावा देने के लिए दोनों कंपनियां एक साथ करेंगी काम

भारत के डिजिटल इकोसिस्टम के विकास में तेजी लाने के लिए और भविष्य को ध्यान में रखते हुए, एयरटेल और गूगल ने लंबे समय के लिए एक समझौता किया है। इस साझेदारी के हिस्से के रूप में गूगल ने अपने 'गूगल फॉर इंडिया डिजिटलाइजेशन फंड' से एक बिलियन डॉलर तक का निवेश एयरटेल में करने का इरादा किया है। इन निवेश में इक्विटी निवेश के साथ-साथ संभावित कमर्शियल एग्रीमेंट्स के लिए फंड शामिल हैं। इस फंड का उपयोग अगले पांच वर्षों में देश के डिजिटलाइजेशन के लिए आवश्यक क्षेत्रों की पहचान कर पारस्परिक रूप से सहमति से किया जाएगा। इस निवेश में गूगल स्वर भारती एयरटेल में INR 734 के प्रति शेयर की कीमत पर $700 मिलियन का इक्विटी निवेश शामिल है। इसमें $300 मिलियन तक की राशि को कमर्शियल एग्रीमेंट्स को लागू करने के लिए किया जाएगा। इसमें एयरटेल के प्रोडक्ट्स और सर्विसेज को बढ़ाने में निवेश शामिल होगा। साथ ही, इसमें भारत के डिजिटल इकोसिस्टम में पहुंच बढ़ाने और डिजिटल उपयोग को तेज करने के उद्देश्य से किए जाने वाले इनोवेशन प्रोग्राम्स भी शामिल हैं। साथ ही, विभिन्न सर्विसेज और टूल्स को भी विकसित किया जाएगा।भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा, "एयरटेल और गूगल अभिनव उत्पादों के माध्यम से भारत के डिजिटल लाभांश को बढ़ाने के लिए समान दृष्टिकोण साझा करते हैं। हमारे भविष्य के लिए तैयार नेटवर्क, डिजिटल प्लेटफॉर्म, डिलीवरी और डिजिटल पेमेंट सिस्टम के साथ, हम भारत के डिजिटल इकोसिस्टम को व्यापक रूप से बढ़ाने लिए गूगल के साथ मिलकर काम करने की आशा करते हैं।" एयरटेल और गूगल, दोनों संगठन डिजिटल समाधान बनाने के लिए संयुक्त रूप से व्यापक क्षेत्रों में निवेश और सहयोग करने पर सहमत हुए हैं जो विशिष्ट रूप से भारत की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। इस कमर्शियल एग्रीमेंट के एक हिस्से के रूप में, एयरटेल और गूगल साथ मिलकर गूगल-एयरटेल की बेहतरीन सर्विसेज और ऑफर्स के लिए काम करेंगे, जिसमें उपभोक्ताओं को अभिनव सामर्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से एंड्रॉयड-सक्षम टूल्स की एक सीरीज उपलब्ध कराना भी शामिल है। साथ ही, दोनों कंपनियां विभिन्न डिवाइस निर्माताओं के साथ साझेदारी में, प्राइस पॉइंट्स सीरीज में एक स्मार्टफोन उपभोक्ताओं की बाधाओं को कम करने के लिए और उपलब्ध अवसरों को भी पहचानने का काम जारी रखेंगी। दोनों कंपनियां इस डिजिटल परिवर्तन यात्रा में तेजी लाने के लिए भारत में क्लाउड इकोसिस्टम को आकार देने और विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित करेंगी। एयरटेल अपने उद्यम कनेक्टिविटी की पेशकश के साथ दस लाख से अधिक छोटे और मध्यम व्यवसायों को सेवा प्रदान करता है, और यह साझेदारी उन्हें डिजिटलाइजेशन अपनाने में तेजी लाने में मदद करेगी। साझेदारी के बड़े रणनीतिक लक्ष्यों के तहत, दोनों कंपनियां अत्याधुनिक कार्यान्वयन के साथ, 5G और अन्य मानकों के लिए भारत-विशिष्ट नेटवर्क डोमेन उपयोग के मामलों का संभावित रूप से समाधान करेंगी। एयरटेल पहले से ही गूगल के 5G-रेडी इवॉल्व्ड पैकेट कोर और सॉफ्टवेयर डिफाइंड नेटवर्क प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहा है, और अपने ग्राहकों को बेहतर नेटवर्क अनुभव प्रदान करने के लिए गूगल के नेटवर्क वर्चुअलाइजेशन समाधानों की उपलब्धता को बढ़ाने की योजना बना रहा है।

निर्देशक सुनील खोसला की पंजाबी फिल्म 'मेरा व्याह करा दो' रिलीज के लिए तैयार

राजू चड्ढा प्रेजेंटेशन और मैक्सर मूवीज का प्रोडक्शन 'मेरा व्याह करा दो' पंजाबी फिल्म रिलीज के लिए तैयार, संगीतमय प्रेम कहानी के साथ एक पारिवारिक मनोरंजन राजू चड्ढा और विभा दत्ता खोसला द्वारा निर्मित है। स्टोरी स्क्रीनप्ले के साथ डायरेक्टर भी सुनील खोसला है। मुख्य कलाकार दिलप्रीत ढिल्लों और मैंडी, साथ में हॉबी धालीवाल, रूपिंदर रूपी, सनी गिल, संतोष मल्होत्रा, विजय टंडन, रेणु मोहाली, गोनी सागू, परमिंदर गिल, ओनिका, नविया सिंह और इंट्रोडूसिंग मनजोत सिंह और आरती शर्मा।

गुरमीत सिंह, जेएसएल सिंह, गुरमोह और शमिता भाटकर द्वारा संगीत दिया गया है, कुलदीप कंडियारा, विजय धाम्मि और जंग संधू के बोल है, गायक-मन्नत नूर, ज्योति नूरन, शिप्रा गोयल, गुरमीत सिंह और वज़ीर सिंह, अभिजीत वघानी है।

ईडी की कार्रवाईः इंडसवीवा हेल्थ साइंसेज और चेयरमैन की 66.30 करोड़ की संपत्तियां जब्त, 1500 करोड़ के घोटाले का मामला

1500 करोड़ रुपये के एक मल्टी लेवल मार्केटिंग घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने इंडसवीवा हेल्थ सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, इसके निदेशक सीए अंजार और अन्य की 66.30 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की हैं। एजेंसी ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई है। इस मामले में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच की शुरुआत हैदराबाद के गाचिबौली पुलिस थाने में दर्ज एक एफआईआर के आधार पर की थी। इसे लेकर ईडी ने कहा कि कंपनी मल्टी लेवल मार्केटिंग घोटाले में शामिल है जिसका पिरामिट रूपी ढांचा अवैध है और यह खुद को एक डायरेक्ट सेलिंग बिजनेस की तरह बताते हुए काम कर रही है। एजेंसी ने बताया कि कंपनी ने बड़ी संख्या में वितरकों को जोड़ा और अपनी कमीशन योजना के बारे में बड़े स्तर पर प्रचार किया। इसमें कंपनी ने कहा कि सदस्य बन कर और फिर और लोगों को शामिल कर तेजी से और आसानी से पैसा कमाया जा सकता है। अपने फर्जी योजना को सही दिखाने के लिए आरोपियों ने कुछ उत्पाद भी पेश किए। फर्जी वादे करते कंपनी ने करीब 10 लाख लोगों को सदस्य बनाया और लगभग 1500 करोड़ रुपये जुटाए। जांच के दौरान पता चला कि इंडसवीवा के चेयरमैन सीए अंजार और सीईओ अभिलाष थॉमस ने सहयोगी कंपनियों में और अपने निजी खातों में यह राशि स्थानांतरित की। इस राशि का इस्तेमाल अचल संपत्तियों को खरीदने में किया गया। कंपनियों और लोगों के नाम पर ऐसी 50.47 करोड़ रुपये की संपत्तियां सामने आई हैं। ईडी ने अंजार और थॉमस को पुछले साल 15 दिसंबर को गिरफ्तार किया था और वह इस समय न्यायिक हिरासत में हैं।

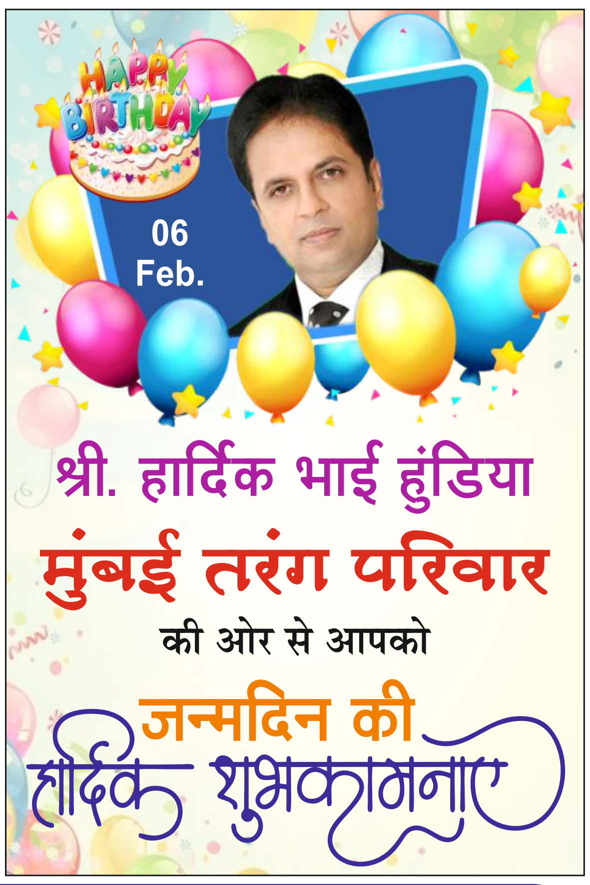

बुल्ली बाई, सुल्ली डील्स मामलाः महिला अस्मिता की रक्षा से कोई समझौता नहीं, केंद्र ने दो टूक कहा

पिछले दिनों सामने आए बुल्ली बाई और सुल्ली डील्स ऐप का मामला शुक्रवार को राज्यसभा में उठा। भाजपा सांसद सुशील मोदी द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साफ शब्दों में कहा कि महिलाओं की अस्मिता की रक्षा करना हमारा मूल दायित्व है, इससे कोई समझौता नहीं किया जाएगा। फिर महिलाएं चाहें किसी भी धर्म या क्षेत्र की हों। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि इन ऐप को लेकर जो भी मामले सामने आए, उनमें त्वरित कार्रवाई की गई। उन्होंने विपक्ष को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जब भी सरकार सोशल मीडिया को जिम्मेदार बनाने के लिए कोई कदम उठाती है तो वह अभिव्यक्ति की आजादी के हनन का आरोप लगाता है, यह सही नहीं है। हमें दोनों के बीच संतुलन रखना होगा।

क्या है 'बुल्ली बाई' ऐप विवाद?बुल्ली बाई(Bulli Bai App) लोगों को बरगलाने और वित्तीय लाभ कमाने के लिए देश भर में एक संदिग्ध समूह (उनमें से अधिकांश की पहचान अभी बाकी है) द्वारा विकसित एक ऐप हैएप को बनाने के पीछे का मकसद भारतीय महिलाओं (ज्यादातर मुस्लिम) की नीलामी के लिए रखना और बदले में पैसा कमाना है।'बुल्ली बाई' एप माइक्रोसॉफ्ट के मालिकाना हक वाली ओपन सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट साइट GitHub पर बनाया गया था।बुल्ली बाई जैसी घटनाओं में, साइबर अपराधी इंटरनेट से लोकप्रिय महिलाओं, सेलेब्स, प्रभावशाली लोगों, पत्रकारों आदि की तस्वीरें लेते हैं और उनका उपयोग अपने वित्तीय लाभ के लिए करते हैंये ऑनलाइन स्कैमर्स सोशल मीडिया अकाउंट से इन महिलाओं की तस्वीरें चुराते हैं और उन्हें प्लेटफॉर्म पर लिस्ट कर देते हैं।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।